RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार • 07 मई, 2024 वर्ष - 12 अंक - 9 मूल्य- 1 रु कुल पृष्ठ - 8

'लेडी ड्रिंक स्कैम'

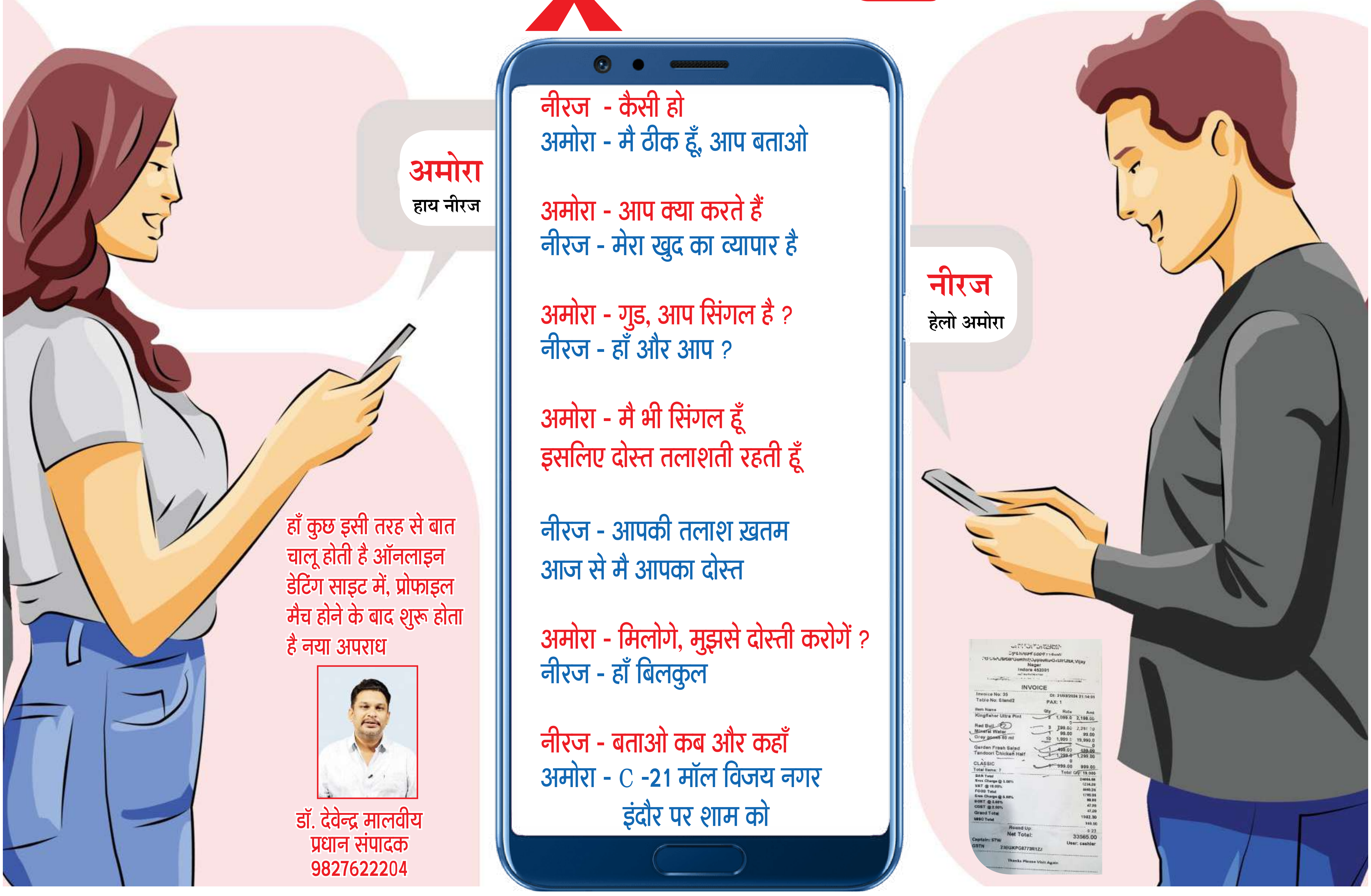

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक
9827622204

प्रदेश में पब संचालकों की मिलीभगत से चल रहा सफ़ेद पोश काला धंधा

डेटिंग ऐप से मैच, मुलाकात और बड़ा आर्थिक फटका... तेजी से फ़ैल रहा फर्जीवाड़ा

अपराध किसी भी किस्म का हो वो अपराध ही होता है, लेकिन यह अपराध उन्नत किस्म का है। यहाँ कोई चोरी-चकारी नहीं, कोई ब्लैकमेलिंग नहीं, कोई खून-खराबा नहीं, न किसी से उनकी निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करना और फिर उनको ब्लैकमेल करना, न 'न्यूड' वीडियो कॉलिंग के जरिए स्क्रीन रिकॉर्ड करना, कोई अकाउंट खाली करने वाला स्कैम भी नहीं, फिर भी अपराध है. बिना किसी हो-हल्ले के कई लोगों को खाने के नाम पर चूना लगाया जा रहा है जिसे लेकर पुलिस भी हैरान है और पुलिस अधिकारी पहली मर्तबा विश्वास भी नहीं कर पाते। Tinder और Bumble जैसी ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स पर फर्जी प्रोफ़ाइल बनाकर आजकल एक अनोखे तरीके की ठगी को अंजाम दिया जा रहा है।

होता ये है कि पहले तो डेटिंग ऐप्स पर आपकी प्रोफ़ाइल किसी से मैच होती है। इसके बाद दूसरी तरफ से कोई लड़का या लड़की आपसे खूब बातें करते है। डेटिंग जब परवान चढ़ती है तो सामने वाले की तरफ से मिलने की बात होती है, लोग मिलने के लिए तैयार हो जाते हैं। मीटिंग की डेट फिक्स होती है लेकिन किस रेस्टोरेंट में मिलेंगे, वो आप नहीं बल्कि सामने वाला तय करता है...

इंदौर/भोपाल

आज के समय में रोमांस भी डिजिटल हो गया है इसके लिए अनेक विदेशी और देशी मोबाइल एप आपको गूगल प्ले स्टोर, ऐप्पल ऐप स्टोर पर मिल जायेंगी; मुख्य एप Tinder,Bumble, Hinge, Aisle, Happn, TrulyMadly, OkCupid, Hinge, Woo, Badoo, Dil Mil, Indian Dating हैं। जहां झूठा प्यार है, वहां 'धोखा' या घोटाला भी है।

इन डेटिंग एप के सहारे नए प्रकार का फर्जीवाड़ा चल रहा है

पहले यह फर्जीवाड़ा विदेशों में हुआ फिर भारत की मेट्रो सिटीज में और अब यह मध्यप्रदेश में तेजी से फ़ैल रहा है, डेटिंग ऐप रैकेट में प्यार के वादे के साथ अनजान पुरुषों को निशाना बनाना और उन्हें वित्तीय जाल में फ़साना होता है। पीड़ित पुरुषों का दावा है कि जिन महिलाओं से वे डेटिंग ऐप्स पर मिल रहे हैं, वे उन्हें विशेष कैफे में ले जा रही हैं जो उनसे अत्यधिक राशि वसूल रहे हैं।

पेशे से

इंजिनियर भोपाल के एक युवक प्रवीण ने आरोप लगाया कि उनके साथ 18000 रुपये की धोखाधड़ी की गई है। उसकी पहचान टिंडर एप पर एक लड़की से हुई, मुलाकात के लिए उस लड़की ने सरगम टाकीज के पास एक कैफे (पब) में बुलाया जहाँ सिर्फ एक घंटे में बिल 18000 रु. का बन गया, प्रवीण के बताया कि लड़की ने उसे कहीं और नहीं बल्कि सिर्फ उस खास कैफे में मिलने को कहा था। जब वह भुगतान करने में आनाकानी करने लगा तो बाउंसरों ने कथित तौर पर उसे डराने-धमकाने की कोशिश की और जबरदस्ती पैसों की वसूली की गई।

प्रवीण अकेला नहीं है

भोपाल के अलावा इंदौर में भी अनेकों युवक इस तरह शिकार बन रहे हैं और ट्विटर 'अत्यधिक डेट बिलों की शिकायत' करने वाले पुरुषों से भरा पड़ा है। उन सभी की कहानियाँ लगभग एक जैसी हैं सबका एक गहरा पैटर्न है -

डेटिंग ऐप पर एक लड़की पुरुषों को डेट पर एक विशिष्ट कैफे में बुलाती है, वोदका और हुक्का पीती है और पुरुषों को भारी बिल देना पड़ता है।

ऐसी ही एक घटना 31 मार्च 2024 की शाम को नीरज नाम के युवक के साथ हुई जिसकी शिकायत इंदौर के विजयनगर थाने में करवाई गई। नीरज ने विजयनगर थाने पर यह की शिकायत :

संगठित तरीके से धोखाधड़ी और ठगी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने हेतु, पब संचालक ने वास्तविक प्राइस की जगह दुगुने तिगुने दाम लगाकर मेरा 35565 रुपया फोर्सफुल ले लिया है ।

मैं एक स्कैम का शिकार हो गया हूँ

फेमस फ्रेंडशिप एप टिंडर पर एक लड़की (जिसने अपना नाम अमोरा एवं अपने आप को मेकअप आर्टिस्ट बताया था) से मेरी ऑनलाइन मुलाकात हुई, लड़की ने मुझे मिलने के लिए दिनांक 31 मार्च 24 को 8 बजे रात्रि में इंदौर विजयनगर के C 21 मॉल के सामने बुलाया एवं मुझे कहा कि ड्रिंक पीने चलते है, जबकि मैंने उसे मना कर दिया था, फिर भी वो मुझे,ऑर्बिट मॉल के सामने एक पब में ले गई। उस पब में जाकर लड़की ने ताबड़तोड़ Grey Goose 60 ML के 2-2 करके कुल 10 शॉट आर्डर कर दिए तथा किंगफिशर बियर एवं मिनरल बाटर, सलाद एवं तंदूरी चिकन के साथ क्लासिक सिगरेट का एक डिब्बा ऑर्डर कर दिया।

मुझे शक है कि इन लोगों ने मेरी बियर में कुछ मिला दिया था, जिससे थोड़ी देर के लिए मेरा अवचेतन मन एवं होश खो रहा था। ये लड़की 2 बार बाथरूम गई एवं उसकी आड़ में वो पब वालो से भी मिली थी, उसके बाद जब वो लौटी तो पब के स्टाफ ने आखरी में 33565/ रुपये का बिल मुझे दे दिया।

मैंने उन्हें कहा कि बिल बहुत ज्यादा है आपने जो शुरू में मुझे मेनू दिखाया था उसमे और इसमें अंतर आ रहा है, तो स्टाफ ने कहा कि आप हमारा ये वाला मेनू से देख लीजिये, मैंने कहा कि आप गलत कर रहे हैं मैंने लड़की को आधा बिल देने का कहा तो उसने मना कर दिया मेरा सर घूम रहा था, मैंने पब वालों को बिल सेटल करने को कहा तो उन्होंने बाउंसर का भय दिखाया एवं भारी दबाव में मुझे बिल भरना पड़ा, जिसका मेने UPI से भुगतान किया।

लड़की मुझे पब से 300 मीटर की दुरी पर मिली थी एवं वापसी में वो 350 मीटर की दूरी पर उतर गई। इससे मुझे अपने साथ ठगी का अहसास हुआ एवं लड़की पब मालिक के साथ मिली हुई थी एवं वो इस तरह से ठगी का नेटवर्क चला रहे है। मैंने इस तरह की कई घटनाएं ऑनलाइन मीडिया पर देखीं तो इस तरह की घटनाएं दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई जैसे बड़े शहरों में हो रही है। ये एक संगठित अपराध है एवं उस पब संचालित करने वाले अपराधियों ने उस लड़की के साथ मिलकर मेरा रुपया लूट लिया है।

दैनिक सद्भावना पाती ने जब नीरज से इस बारे में जानना चाहा तो

नीरज ने उक्त सारी बातें बतायी और ये भी बताया कि जब पहचान के सहारे मै विजयनगर पुलिस थाने में पहुंचा और शिकायत की तो उन्होंने पब मालिक से बिल सेटल करने को कहा अब पब मालिक 17000 में बिल सेटल की बात कर रहा है जबकि एक्चुअल बिल 6-7000 से ज्यादा नहीं हो सकता है और अभी तक मुझे एक रुपये भी वापस नहीं किये गए है।

31 मार्च 24 के बाद ही उक्त पब बंद है (संभवतः लाइसेंस समाप्त हो गया है)।

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया है कि लड़की को कथित तौर पर रेस्तरां मालिक काम पर रखते हैं -

यूजर्स के मुताबिक

रेस्टोरेंट्स/पब्स डेटिंग एप्स को यूज़ करके अपनी सेल बढ़ाने के लिए यह सब कर रहे हैं, बार मालिक और प्रबंधन युवा और आकर्षक लड़कियों को काम पर रखते हैं उनको बम्बल और टिंडर पर अमीर लोगों से मैच करने को कहा जाता है और उन्हें डिनर डेट के लिए अपने रेस्तरां/पब्स में लाया जाता है और फिर उन्हें अत्यधिक कीमत, ब्लैकमेल करके लूटते हैं। ऐसा भी लगता है कि किसी तरह पुलिस भी इसे नज़रअंदाज़ कर रही है।

सद्भावना सलाह

ऑनलाइन डेटिंग की दुनिया में जब नित्य नए फर्जीवाड़े सामने आ रहे हैं तो आपको पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहने का समय आ गया है, किसी से मुलाकात के पहले मिलने की जगह आदि पर अत्यधिक सावधानी बरतना जरुरी है, इंदौर फिर भी कहीं धोखाधड़ी के शिकार होने पर तुरंत पुलिस को शिकायत करें।

संक्षिप्त समाचार

दो एसएसटी चेक पोस्ट पर 03 लाख रूपये नगदी जब्त

सीहोर (निप्र)। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए एसएसटी चेक पोस्ट तथा फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा निरंतर चेकिंग की कार्यवाही की जा रही है। चेकिंग के दौरान बिलकिसगंज एसएसटी चेक पोस्ट पर दो लाख रूपये नगद राशी जब्त की गई। एसएसटी चेक पोस्ट दौलतपुर घाटी में एक लाख रूपये की नगद राशी तथा निपानिया काला एसएसटी चेक पोस्ट पर 66 क्वाटर मदिरा जब्त की गई ।

फरार आरोपी सौरभ बिश्नोई पर 10 हजार रूपये का इनाम घोषित

हरदा (निप्र)। जिले के सिविल लाईन थाना और थाना कोतवाली हरदा में आरोपी सौरभ बिश्नोई के विरूद्ध भारतीय दण्ड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। यह आरोपी पिछले काफी समय से लगातार फरार चल रहा है। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे ने आरोपी सौरभ बिश्नोई पिता परमानन्द बिश्नोई निवासी रेवापुर हरदा की तलाश पतारसी के लिये 10 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। जारी उद्घोषणा में कहा गया है कि जो व्यक्ति इस आरोपी की गिरफ्तारी के लिये जरूरी सूचना देगा या गिरफ्तारी में मदद करेगा। उसे यह इनाम की राशि दी जाएगी। पुरस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक जिला हरदा का मान्य होगा।

युवक ने बिजली के तार से लगाई फांसी, मौत

पिपरिया(निप्र)। पिपरिया से सटे खापरखेड़ा गांव में रविवार शाम सुने घर में युवक ने फांसी लगा ली जिस से उसकी मौत हो गई। रामगोपाल पिता देव प्रसाद केवट उम्र 60 वर्ष की रिपोर्ट पर पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिए पिपरिया अस्पताल पहुंचाया। सहायक उप निरीक्षक गणेश राय ने बताया कि खापरखेड़ा के रामगोपाल ने सूचना दी है, उसके 40 साल के बेटे मुकेश केवट ने सूने घर में बिजली तार का फंदा गले में डाल कर सीलिंग फैन से फांसी लगा ली है। उसने बताया कि उसका बड़ा लड़का है। जिसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता है। इलाज जबलपुर नागपुर में चल रहा है। मुकेश घर पर ही था मुकेश की पत्नी सीमा बकरी चराने गई थी। शाम 6 बजे करीब वह घर वापस लौटी तो देखा मुकेश ने बिजली के वायर से गले में फंदा बनाकर पंखे में बांधकर फांसी लगा ली है। रामगोपाल ने पुलिस को बताया कि मुकेश को फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल लेकर आए।

नर्मदा नदी में डूबने से 12 साल के बालक की मौत

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम के सर्किट हाउस घाट पर नहाने आए 12 साल के बालक की डूबने से मौत। गोताखोर और स्थानीय लोगों की मदद से बालक को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तुक उसकी मौत हो चुकी थी। कोतवाली थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया। मृतक बालक की पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि बालक ट्रेनिंग में कचरा बीनने का काम करता था। ट्रेन में कचरा बीनने वाले अन्य बच्चों के साथ ही वो स्टेशन पर उतरकर सर्किट हाउस घाट नहाने गया। जहां गहरे पानी में जाने से वो डूब गया। एएसआई दिनेश मेहरा ने बताया बालक ट्रेन में कचरा बीनने का काम करता था। उसकी पहचान नहीं हो पाई। वो दोस्तों के साथ में नहाने आया था। पोस्ट मार्टम कर लिया है। मामले में जांच की जाएगी।

बिना अनुज्ञा के परिवहन करते ट्रक पकड़ा

पिपरिया (निप्र)। पिपरिया कृषि उपजमंडी समिति द्वारा भारसाधक अधिकारी सहित उच्चाधिकारियों के निर्देश पर लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत एक मक्का की गाडी को पकड़ पांच गुना मंडी शुल्क वसूला। मंडी में बंपर आवक के बीच भारसाधक अधिकारी व एसडीएम संतोष तिवारी के निर्देश पर मंडी सचिव राघवेन्द्र राठौड़ के मार्गदर्शन में मंडी इंस्पेक्टर हल्केवीर उईके, द्वारा तामिया से भोपाल जा रही 100 क्विंटल मक्का बिना अनुज्ञा के परिवहन करते हुए एमपी 13 जीबी 3722 के चालक अच्छनखान भोपाल से पकड़ी गई है।

नहरों के निरीक्षण हेतु अधिकारियों का संयुक्त दल लगातार कर रहा है गश्त

हरदा (निप्र)। ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के लिये नहरों के माध्यम से सिंचाई व्यवस्था की जा रही है। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि अवैध तरीके से नहर का पानी सिंचाई के लिये लेने वाले किसानों को रोका जाये तथा व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले ग्रामीणों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होने विद्युत वितरण कम्पनी, राजस्व विभाग, जल संसाधन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के संयुक्त दल बनाकर नहरों के आसपास के क्षेत्र का भ्रमण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। उन्होने निर्देश दिये है कि जहां-जहां नहरों पर अवैध सायफन संचालित होते दिखे, उन्हें तत्काल जप्त किया जाए। चारों विभाग के अधिकारी रात्रि में भी संयुक्त गश्त करें। इसी क्रम में शुक्रवार को चारों विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने नहरों के आसपास स्थित गांवों का दौरा किया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान 386 विद्युत कनेक्शनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान लाइन से सीधे विद्युत चोरी के 5 प्रकरण तथा स्वीकृत लोड से अधिक लोड के 16 मामले पाये गये, जिनके भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत पंचनामा बनाकर कार्यवाही की गई। अधिकारियों के संयुक्त दल ने शुक्रवार को किये निरीक्षण के दौरान नहरों के किनारे रखे कुल 96 डीजल इंजनों व किसानों द्वारा अवैध रूप से तैयार सायफनों की भी जांच कर कार्यवाही की। विद्युत वितरण कंपनी, जल संसाधन विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने शनिवार को ग्राम पोखरनी अबगांव कला जूनापानी और रुंदलाय में नहरों का निरीक्षण किया।

आतिशबाजी की तरह जला ट्रांसफार्मर, पटाखे चलने जैसी आवाज आई, चिंगारियां निकलीं

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में सतरास्ते से स्टेशन रोड पर लगे बिजली के ट्रांसफार्मर (डीपी) में आग लग गई। ट्रांसफार्मर में आग ऐसी थी जैसे पटाखों की लड़ फूटती है, उसी प्रकार डीपी में से आग निकलती रही। आसपास के दुकानदार और राहगीरों में हड़कंप मच गया। पूरे घटनाक्रम को वहां खड़े कुछ लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक रविवार देर रात करीब 9 बजे नर्मदापुरम के सतरास्ते से स्टेशन रोड पर लगी बिजली की डीपी में आग लगी। आग ओवरलोड की वजह से लगी। डीपी में जैसे ही आग लगी, तभी पटाखों की आवाज के साथ डीपी में से चिंगारियां निकलने लगी। डीपी के आसपास सड़क से लोग इधर-उधर होने लगे। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोगों ने इस बीच डीपी में लगी आग को रेत की मदद से बुझने का प्रयास भी किया। इसी बीच कुछ डीपी के पास खड़े स्वयं के वाहनों को वहां से हटाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। पूरी घटना की सूचना स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने बिजली कंपनी को दी। कुछ देर बाद बिजली कर्मचारियों की टीम ने डीपी में लगी आग को बुझाने का कार्य किया।

कक्षा 10वीं में फेल होने पर घर से भागी 2 छात्रा

एक बुआ और दूसरी मौसी के घर गई पिपरिया, दोनों बेस्ट फ्रेंड

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एमपी बोर्ड की कक्षा दसवीं में फेल और सप्लीमेंट्री आने पर 2 नाबालिग छात्रा घर से भागकर भोपाल और पिपरिया पहुंच गई। दोनों छात्रा बेस्ट फ्रेंड है। परीक्षा में एक फेल हुई और दूसरी को 2 विषय में सप्लीमेंट्री आई। रिज़ल्ट के बाद दोनों को उनके माता पिता ने डांटा। जिससे नाराज होकर दोनों घर से चुपचाप निकल गई। जिन्हें पथरौटा पुलिस ने साइबर की मदद से खोजबीन कर ढूंढ निकाला। एक छात्रा को भोपाल बुआ और दूसरी को पिपरिया से मौसी के घर से खोजा। दोनों को भोपाल से लाने के बाद उनके बयान हुए। घर से जाने का कारण पूछा एक ने बताया कि मैं दसवीं में फेल हुई। जिस पर पिता ने डांटा था। दूसरी ने भी कहा कि 2 विषय में सप्लीमेंट्री आने पर मम्मी-पापा ने चिल्लाया था। पथरौटा थाना प्रभारी संजीव पंवार ने बताया दोनों छात्राएं 30 अप्रैल को घर से लापता हुई। परिजन ने गुमशुदगी दर्ज कराई। दोनों नाबालिकों को खोजने के लिये एक टीम बनाई। जिसमें एएसआई रेखा मुनिया को जिम्मेदारी सौंपी गई। परिजन और रिश्तेदारों से संपर्क किया। जिससे एक का भोपाल और दूसरी का पिपरिया में मौसी के घर होने की जानकारी मिली। एएसआई ने अपनी टीम के साथ दोनों नाबालिक छात्राओं को भोपाल एवं पिपरिया से बरामद कर लिया।

जिला न्यायालय में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

सीहोर (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 05 मई को जिला न्यायालय परिसर सीहोर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 68 युनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान एवं पुण्य कार्य है , जो किसी अन्य व्यक्ति के प्राणों की रक्षा करता है। इससे बड़ी कोई मानव सेवा नही हो सकती है। हम सभी को रक्तदान करना चाहिए तथा अपने परिचितों तथा आसपास के लोगो को इसके लाभों से अवगत कराकर रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। रक्तदान शिविर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री एमके वर्मा, न्यायाधीश एवं जिला रजिस्ट्रार श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, उपाध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री सचिन तिवारी, रोटरी क्लब श्री राजेश काशिव उपस्थित थे।

विष्णुदत्त शर्मा ने जीतू पटवारी की अभद्रता को लेकर लिखा मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शिकायती पत्र

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर यह मांग की है कि चुनाव आयोग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रचार किए जाने पर तत्काल रोक लगाए, ताकि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनी रहे और शेष दो चरणों के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें।

विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि जीतू पटवारी जोबट में गैंगरेप पीड़ित बालिका के घर गए थे और उन्होंने उसके परिजनों के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इससे पीड़ित बालिका की पहचान उजागर हुई थी। यह न्यायालय की अव्हेलना है और इसे लेकर जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इससे बौखलाए जीतू पटवारी 01 मई को पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को चुल्लू भर पानी में डूब मरने की सलाह दे डाली। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 01 मई को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद जीतू पटवारी ने ग्वालियर में मीडिया से चर्चा करते हुए आरक्षित वर्ग की महिला और पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका रस खत्म हो गया है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी ने 03 मई को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन दिया था लेकिन जीतू पटवारी यहीं नहीं रुके। उन्होंने भिंड जिले में पत्रकारों से चर्चा करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से कर डाली। संवैधानिक पद पर आसीन देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह के शब्दों के प्रयोग से जनता में भारी रोष है। इस संबंध में 04 मई को एक ज्ञापन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा गया है।

शर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रधानमंत्री मोदी और आरक्षित वर्ग की महिला श्रीमती इमरती देवी के बारे में दिये गए वक्तव्यों से यह स्पष्ट होता है कि जीतू पटवारी अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उनके इन वक्तव्यों से प्रदेश में आक्रोश है और कभी भी कानून व्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो सकता है, जिसके कारण लोकसभा के तीसरे और चौथे चरण के चुनाव प्रभावित हो सकते हैं। अतः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा चुनाव प्रचार किए जाने पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें। विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे गए पत्र के साथ उन पत्रों की प्रतियां भी संलग्न की हैं, जो जीतू पटवारी की अभद्रता के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे गए हैं।

नीट परीक्षा के लिए कड़ी तलाशी से गुजरे परीक्षार्थी : छात्राओं के एरिंग्स, हेयरपिन, लोंग, अंगुठी उतरवाई, हाथ-पैर में बंधे धागे काटे, 53 परीक्षार्थी रहे अब्सेंट

नर्मदापुरम (निप्र)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से देश की सबसे बड़ी मेडिकल परीक्षा नीट यूजी आज रविवार को हुई। दोपहर 2 से 5.30 बजे तक शहर के तीन केन्द्र शांतिनिकेतन कॉन्वट स्कूल, सरवाइट स्कूल और सेमीरिटन हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुई। तीनों केन्द्रों पर 1291 में से 1238 विद्यार्थियों ने नीट की एग्जाम दी। शहर सहित पिपरिया, केसला, सुकतवा,इटारसी, सहित आसपास के गांव से विद्यार्थी परीक्षा देने आए। परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों को कड़ी तलाशी से गुजरना पड़ा। परीक्षा सेंटर्स पर छात्र-छात्राओं से जूते, एरिंग्स, नाक की बाली, हेयरपिन दिए गए। हाथ-पैर में बंधे धागे काटे गए। ऐसे में कुछ छात्राओं को नाक लोंग, एरिंग्स उतरवाने के लिए सुनार की दुकान तक जाना पड़ा। यही नहीं, कुछ सेंटर्स पर 40डिग्री से अधिक तापमान में छात्र-छात्राओं को चैकिंग के नाम पर बाहर खड़े रहना पड़ा। परीक्षार्थियों के साथ आएं माता-पिता, भाई बहनें रिश्तेदार सेंटर्स के बाहर बैठ इंतजार कर रहे है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट 2024 की परीक्षा नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर 3 सेंटर पर आयोजित की गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होगी है। सुबह 11 बजे से विद्यार्थियों की सेंटर्स में एंट्री शुरू हुई। केंद्र पर अभ्यर्थी दस्तावेज की जांच, बायोमेट्रिक उपस्थिति, थर्मल स्कैनिंग और फ्रिस्किंग से संबंधित प्रक्रिया से विद्यार्थियों को गुजरना पड़ा। 1.30 बजे बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया।

3 सेंटर्स पर 1291 परीक्षार्थी

शांति निकेतन स्कूल सेंटर सुपरीटेंडेंट प्रशांत पटेल ने बताया नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर सरवाइव कान्वेंट स्कूल, सेमरिटर्न हायर सेकेंडरी स्कूल और शांतिनिकेतन कान्वेंट स्कूल को केंद्र बनाया गया। 1291 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

महिला के साथ गंभीर मारपीट करने वाले आरोपियों का कार्यवाही करने की मांग

टीकमगढ़। खरगापुर थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम फुटेरचक्र-1, हाल ग्राम अब्दा बम्हौरी, जतारा, जिला टीकमगढ़ निवासी श्रीमती लक्ष्मी पत्नि राजू उर्फ मलखान रैकवार ने 4 मई को खरगापुर थाने में जाकर अपने पति राजू उर्फ मलखान रैकवार के खिलाफ आवेदन देते हुए बताया कि उसका पति शराब के नशे में आए दिन उसे मारता मारपीट है और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। जिस पर उसके पति ने अगले दिन अपने अन्य साथियों के साथ लक्ष्मी रैकवार से गंभीर रूप से मारपीट कर दी। जिससे वह अपने मायके आई तथा सोमवार को एसपी कार्यालय जाकर अपने पति सहित अन्य के विरूद्ध आवेदन देते हुए वैधानिक कार्यवाही की मांग की है।

पीड़ित महिला लक्ष्मी रैकवार द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि मेरी शादी पत्नि राजू उर्फ मलखान रैकवार/ाम फुटेरचक्र-1, थाना खरगापुर के साथ हुई है तथा मेरे दो बच्चे है। मेरा पति राजू रैकवार रोज शराब के नशे में मेरे साथ मारपीट करता है तथा मुझे मानसिक व शारीरिक यातनाएँ भी देता है। जिससे मैंने तंग आकर थाना खरगापुर में 4 मई 2024 को 154 दण्ड संहिता के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिस पर मेरे पति राजू द्वारा दूसरे दिन अपने अन्य साथियों बालाराम रजक पुत्र किशन रजक, लीलाधर लोधी, घनश्याम लोधी एवं मोती लोधी निवासी ग्राम फुटेरचक्र-1 को साथ लेकर मेरे साथ गम्भीर मारपीट कर दी है।

जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला न्यायालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर अनेक जज एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि रक्तदान महान दान है । रक्तदान से अनेक गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने हर स्वस्थ व्यक्ति से रक्तदान की अपील की। इस कार्यक्रम में तृतीय जिला न्यायाधीश श्री अभिलाष जैन न्यायाधीश, श्रीमती स्वप्नश्री सिंह जिला रजिस्ट्रार/न्यायाधीश अध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री राधेश्याम यादव, सचिव श्री राजेश वर्मा, श्री जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्तागण एवं अनेक पैरालीगल वालेन्टियर्स उपस्थित रहें।

निर्माणाधीन भवन का कार्य समय सीमा तथा पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाये: कलेक्टर

दमोह। दमोह में 6 सी.एम. राइज स्कूल बन रहे हैं। मेरा उद्देश्य हैं सभी सी.एम. राइज स्कूलों का एक-एक बार मैं निरीक्षण करू, इसके दो उद्देश्य हैं, पहला सी.एम. राइज स्कूल में अभी समर कैंप चल रहे हैं। आज मैंने जबेरा में चल रहे समर कैंप का अवलोकन किया हैं, कल दमोह में किया था। समर कैंप में बच्चों के साथ मैंने समय बिताया हैं, उनकी एक्टिविटीज को देखा है, जो की सराहनीय है। इस आशय की बात आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जबेरा सीएम राइज स्कूल के भ्रमण के दौरान कही। उन्होंने कहा यहां छोटे-छोटे बच्चे भी बहुत क्रियेटिव तरीके से अपनी एक्टिविटीज में लगे हुए थे, जिसमें एक खास एक्टिविटी जो मैंने देखी जिसमें उन्होंने मतदान की पूरी प्रक्रिया को यहां पर किया था, इसके अलावा कई छात्रों ने चित्रकला और अन्य कलाओं में बहुत अच्छे तरीके से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, जो काबिले तारीफ है।

कलेक्टर श्री कोचर ने बताया सी.एम. राइज स्कूल की निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा भवन निर्माण का कार्य समय सीमा में तथा पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण किये जाने निर्देशित किया हैं। बताया गया कि कार्य तय समय-सीमा में चल रहा हैं और यदि यही गति रही तो हम इसको समय से पहले भी पूरा कर सकते हैं। उन्होंने बताया एप्रोच रोड के बारे में कुछ इश्यू हैं, जिनको एक हफ्ते के अंदर रिजॉल्व करने का प्रयास किया जायेगा।

उन्होंने कहा छात्र-छात्राओं ने चित्रकला व अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से बहुत अच्छे तरीके से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया हैं। श्री कोचर ने कहा शिक्षक कॉम्पिटेटिव एक्जाम के अनुसार तैयारी करवाये। छात्र-छात्राओं की केरियर काउंसलिंग भी वन टू वन करवाई जाये। उनकी समस्याओं का समाधान करें। मैं भी एक केरियर काउंसलिंग के तौर पर काम कर चुका हूं। आगे आने वाले समय में मैं सभी छात्र-छात्राओं को मांटिवेट भी करूंगा।

कलेक्टर ने बड़े ही सहज भाव से छात्र-छात्राओं के सवालों के दिये जबाव- कलेक्टर श्री कोचर को अपने बीच पाकर छात्र-छात्राओं में उत्साह नजर आया। उन्होंने कलेक्टर से अपने कैरियर से सबंधित प्रश्न पूछे।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
इंदौर, मंगलवार 07 मई , 2024

ई-पालिका पोर्टल का डेटा रिकवर करने की कोशिश जारी

इंदौर। ई-पालिका पोर्टल का डेटा रिकवर करने की कोशिश लगातार चल रही है। साथ ही ऑनलाइन एंट्री का काम भी जारी है, लेकिन करदाता अब तक पिछला कर जमा नहीं कर सके हैं। वहीं आचार संहिता के चलते 11 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जनता को कर पर लगने वाले अधिभार में छूट नहीं मिल सकेगी।इंदौर निगमायुक्त शिवम दुबे के अनुसार अब तक शासन स्तर पर इस संबंध में दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके पहले 11 फरवरी को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी आमजन को अधिभार पर छूट नहीं मिल सकी थी। गौरतलब है कि 23 दिसंबर 2023 को ई-पालिका पोर्टल हैक हो गया था। इसके बाद से इसमें गड़बड़ी चल रही है। हाल ही में यह पोर्टल चालू तो हुआ लेकिन पुराना डेटा रिकवर करने में दिक्कत आ रही है। पोर्टल पर पुराना रिकॉर्ड दिखाई नहीं पड़ने की वजह से बड़ी संख्या में करदाता अब तक पुराना कर जमा नहीं कर सकें हैं। जल्द ही काम करने लगेगा ई- पालिका टू- निगमायुक्त ने बताया कि नए पोर्टल का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इसे ई-पालिका टू नाम दिया गया है। इसके काम करना शुरू करने के बाद रिकार्ड पूरी तरह से अपडेट हो जाएगा। किसी भी तरह की गलत एंट्री की गुंजाइश नहीं रहेगी।

दो-तीन हजार रुपये के विवाद में हुआ था हत्याकांड

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में हुए दोहरा हत्याकांड में पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है। चार आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गुजरात में तलाश जारी है। आरोपियों ने दो-तीन हजार रुपये के विवाद में हत्या की है।एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह के मुताबिक मिस्त्री हरिराम और सुरेश की नेमावर स्थित ब्रिज के समीप लाश मिली थी। दोनों की डंडे और ईंट-पत्थरों से हत्या की गई थी। पुलिस ने सुरेश की भाभी से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि सुरेश 25 अप्रैल को घबराता हुआ चार लोगों को लेकर आया था। सुरेश ने दो-तीन हजार रुपये मांगे और कहा कि उसकी जान संकट में है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाले तो सुरेश चारों युवकों के साथ जाते हुए नजर आया। उनमें दो की पहचान रमेश और बादल के रूप में हुई है। दो अन्य की पहचान नहीं हुई लेकिन वे एक साथ गायब हुए हैं। एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक घटना के बाद चारों सूरत (गुजरात) भागे है। पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर चारों को तलाश रही है। पुलिस सुरेश की पत्नी से भी पूछताछ कर रही है जिसने घटना के तीन दिन पूर्व ही घर बदला है।

फरार ठेकेदारों पर पांच हजार का इनाम, गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

इंदौर। ड्रेनेज घोटाले में गिरफ्तार चार आरोपियों को पुलिस ने रविवार दोपहर कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया। तीन आरोपित अभी भी पुलिस रिमांड पर है।दो आरोपित फरार है। उनकी गिरफ्तारी पर पांच पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है।गिरफ्तारी के लिए चार थानों की टीम गठित की गई है। डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे के मुताबिक आरोपित मोहम्मद साजीद, रेणु वढ़ेरा, उदयसिंह भदौरिया, चेतन सिंह भदौरिया का रिमांड समाप्त हो चुका है।चारों आरोपियों को दोपहर को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया। तीन आरोपित राहुल बढ़ेरा, राजकुमार सालवी और मोहम्मद जाकिर अभी भी रिमांड पर है। आरोपियों से नगर निगम से मिली फाइलों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। उधर दो आरोपित मौसम व्यास और इमरान खान की तलाश जारी है। अभय राठौर पूर्व से ही फरार चल रहा है। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पलासिया, हीरानगर, बाणगंगा और एमजी रोड़ थाने के पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 मई को, इस बार लोगों को नहीं मिलेगी करों में छूट

इंदौर। आचार संहिता के चलते 11 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जनता को कर पर लगने वाले अधिभार में छूट नहीं मिल सकेगी। इंदौर निगमायुक्त शिवम वर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अब तक शासन स्तर पर इस संबंध में दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके पहले 11 फरवरी को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भी आमजन को अधिभार पर छूट नहीं मिली थी।गौरतलब है कि 23 दिसंबर 2023 को ई-पालिका पोर्टल हैक हो गया था। इसके बाद से इसमें गड़बड़ी चल रही है। हाल ही में यह पोर्टल चालू तो हुआ, लेकिन पुराना डाटा रिकवर करने में दिक्कत आ रही है। पोर्टल पर पुराना रिकॉर्ड दिखाई नहीं देने से बड़ी संख्या में करदाता अब तक पुराना कर जमा नहीं कर सके हैं।उन्हें उम्मीद थी कि 11 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिभार पर छूट मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सकेगा। निगमायुक्त वर्मा ने बताया कि ई-पालिका पोर्टल का डाटा रिकवर करने की कोशिश लगातार चल रही है। हमने आफ लाइन इंट्री का काम भी शुरू कर दिया है।निगमायुक्त ने बताया कि नए पोर्टल का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इसे ई-पालिका टू नाम दिया गया है। इसके काम शुरू करने के बाद रिकार्ड पूरी तरह से अपडेट हो जाएगा। किसी भी तरह की गलत इंट्री की गुंजाइश नहीं रहेगी।

बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता के मतदान की प्रक्रिया हुई सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिले में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता घर बैठे अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। इंदौर जिले में घर बैठे मतदान के लिए 109 टीम बनाई गई थी। जो 3126 मतदाताओं के घर पहुंचकर डाक मतपत्र से मतदान संपन्न कराये ।दो दिन में 2600 से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर चुके है। मतदान के कल आखरी दिन टीमें मतदान के लिए सुबह रवाना हुई। कल शाम तक मतदान संपन्न कराकर मतपेटियां स्ट्रांग रूप में जमा की गई।

इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन का मतदान प्रारंभ हो चुका है। पहले चरण में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों ने घर बैठे ही मतदान कर लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। प्रथम चरण में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर पर ही मतदान की सुविधा प्रदान की गई।इसमें मतदान में 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और 40 प्रतिशत बेंचमार्क दि०?यांगता वाले दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) ने घर बैठे ही उत्साहपूर्वक रूप से मतदान कराया जा रहा है। सोमवार को सभी मतदान दल मालव कन्या स्कूल से मतदान सामग्री लेकर रवाना हुए।मतदान दल मतदान के बाद कलेक्टर कार्यालय स्थित कोषालय के स्ट्रांग रूम में सुरक्षा के साथ मतपत्र और अन्य जरूरी सामग्री जमा कराई जाएगी।

बम की जबरिया एंट्री से दिल्ली दरबार खफा...

अब मतदान प्रतिशत बढ़ाने का थमाया फरमान

इंदौर। अक्षय बम की जिस तरह जबरिया एंट्री भाजपा में कराई गई उससे प्रदेश के बड़े नेताओं के साथ-साथ दिल्ली दरबार भी खफा है। ताई की नाराजगी को भी पार्टी ने इसीलिए गंभीरता से लिया। दूसरी तरफ इंदौर के नागरिकों ने भी इस कृत्य को समझ से परे और अच्छा नहीं माना, जिसके चलते भाजपा के ही समर्थक और कार्यकर्ता यह कहते नजर आ रहे हैं कि वे हर चुनाव में कमल को वोट देते थे, मगर इस बार नोटा का बटन दबाएंगे। अक्षय बम को पार्टी में शामिल करने की जो बदनामी चारों तरफ हुई उसके डेमेज कंट्रोल की भी सफल कोशिश की गई और मीडिया के समक्ष पेश बम कोई ढंगढांग की बात कहने में भी फुस्सी साबित हुए और कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ने दे रही, उसको लेकर जो बातें कही गई वह भी किसी के गले नहीं उतरी... दूसरी तरफ भाजपा प्रत्याशी सहित सभी जिम्मेदार अब

इस बात पर चिंतित हैं कि मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जाए, क्योंकि इस सन्नाटे और नीरस चुनाव में अब आम मतदाता से लेकर कार्यकर्ता की कोई रुचि ही नहीं बची है। दूसरी तरफ स्वच्छता में नम्बर वन रहने वाला इंदौर इस बार नोटा में भी नम्बर वन रह सकता है, इसका खुटका अलग दिल्ली दरबार तक पहुंच गया। सूत्रों का कहना है कि इस पूरी कवायद से दिल्ली दरबार खुश नहीं है और यही कारण है कि आनन-फानन में उपमुख्यमंत्री को इंदौर भेजकर सारे विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों की देर रात बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लक्ष्य दिए गए। पिछले दिनों ही अमित शाह ने यह स्पष्ट कह दिया था कि जिन क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत घटेगा वहां के मंत्री व अन्य जिम्मेदारों को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। यही कारण है कि अब इंदौर में विधायकों से लेकर मंत्री सहित हर कोई इसी बात को लेकर चिंतित है कि मतदान का प्रतिशत अगर घट गया तो इसकी गाज किस-किस पर गिरेगी..?

मंत्री विजयवर्गीय बोले - हमें इंदौर को वोटिंग में भी नंबर 1 बनाना है

भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ विजयवर्गीय ने किया मंथन

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार में नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार देर रात इंदौर में लोकसभा चुनाव के निमित्त वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया। बैठक में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जी, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री तुलसी सिलावट, नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे सहित विधायक गण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर हर मामले में नंबर वन है। अब हमें मतदान में भी अपने शहर इंदौर को नंबर 1 बनाना है, इसलिए भाजपा परिवार के सभी सदस्य जुट जाएं। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश के साथ ही देशभर में भाजपा की लहर है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं। बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता कृष्ण मुरारी मोघे, बाबूसिंह रघुवंशी, जयपाल सिंह चावड़ा, अशोक चौहान चंदू सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

घर बैठे हैं कई दिग्गज, भाजपा में नहीं हो रही है अच्छी पकड़ रखने वाले नेताओं की पूछ-परख

इंदौर। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान में आठ दिन शेष हैं और इंदौर की राजनीति में अलग पहचान रखने वाले एवं चुनाव रणनीति में माहिर माने जाने वाले भाजपा के कई दिग्गज अभी भी घर बैठे हुए हैं। इन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। न तो उम्मीदवार, न ही संगठन स्तर से इनके साथ किसी तरह का संवाद हो रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद जो परिदृश्य इंदौर में बन रहा है, उसके बाद तो इस चुनाव में इन नेताओं की भूमिका नगण्य ही नजर आ रही है। लोकसभा में आठ बार इंदौर का प्रतिनिधित्व कर चुकी सुमित्रा महाजन जैसी वरिष्ठ नेता भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी द्वारा नामांकन दाखिल करने के पहले सभा में ही नजर आईं। महाजन का हर विधानसभा क्षेत्र में अपना नेटवर्क है, कार्यकर्ताओं में इनका बहुत सम्मान है। शहर के लोग भी इन्हें बहुत पसंद करते हैं। वे तमाम लोग जो शहर में असरकारक भूमिका में हैं, इन्हें बहुत तवज्जो देते हैं। समाज के कुछ वर्गों में इन्हें बहुत पसंद किया जाता है। महिलाओं में बहुत लोकप्रिय हैं और इनके द्वारा कही गई बात को हमेशा गंभीरता से लिया जाता है। नई पीढ़ी के लोग भी इनकी साफ-सुथरी राजनीति के कायल हैं। जिन नेताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, इनमें से कई नेता ऐसे भी हैं जिन्हें चुनावी रणनीति का 30 साल का अनुभव है, लेकिन पार्टी उनके अनुभव का लाभ ही नहीं लेना चाहती है। चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा का प्रदेश नेतृत्व भी इन नेताओं में से ज्यादातर के मामले में गंभीर नहीं है।

कोई पूछ परख नहीं

बाबू सिंह रघुवंशी – कई चुनाव के संचालन का अनुभव, चुनावी रणनीति के जानकार और चुनाव कार्यालय को बहुत व्यवस्थित तरीके से चलाने में माहिर। कौन व्यक्ति किस काम को बखूबी कर सकता है इसके पारखी। नेताओं और कार्यकर्ताओं से काम लेना भी आता है। चुनाव कार्यालय को जीवंत रखने में एक्सपर्ट। स्थानीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच तालमेल भी जमा लेते हैं। पार्टी के बड़े नेता भी इन्हें पूरा सम्मान देते हैं।

कृष्णमुरारी मोघे – एक समय अविभाजित मध्य प्रदेश की 320 सीट के भाजपा टिकट तय करने में उनकी आम भूमिका रहती थी। संगठन में काम का गहरा अनुभव, नेताओं और कार्यकर्ताओं से उनकी क्षमता के मुताबिक काम लेने में माहिर, स्थानीय और प्रदेश संगठन के बीच तालमेल में सिद्धहस्त। संगठन में लंबे समय तक काम करने के कारण इनके पास हर स्तर पर अच्छा फीडबैक रहता है। परेशान कार्यकर्ता भी भरोसे के साथ इसे अपनी बात शेयर करते हैं।

गोपीकृष्ण नेमा – अच्छे वक्ता, चुनावी रणनीति में माहिर, अच्छे समन्वयक और सबको साध भी लेते हैं। व्यापारिक वर्ग में अपनी पकड़ का फायदा पार्टी को दिलवाते हैं। अल्पसंख्यकों में भी पेठ, इंदौर 3 और इंदौर 4 विधानसभा क्षेत्र के सारे समीकरणों से अच्छे से वाकिफ हैं। पुरानी और नई पीढ़ी के बीच तालमेल भी जमा लेते हैं।

सत्यनारायण सत्तन – अच्छे वक्ता और लोगों तक दमदारी से संगठन की बात पहुंचाने में माहिर। बात को व्यवस्थित तरीके से रखने की क्षमता होने से लोगों को अपने से जोड़ लेते हैं। खरी-खरी कह देते हैं और मौका आने पर बड़े नेताओं को नसीहत देने से भी नहीं चूकते।

डॉ. उमाशशि शर्मा – साफ-सुथरी छवि वाली नेता, हर विधानसभा क्षेत्र में नेटवर्क। प्रबुद्धवर्ग, वरिष्ठ नागरिक और महिलाओं में सक्रिय। शांत और सौम्य नेता होने के कारण कार्यकर्ता भी सम्मान करते हैं। संगठन ने कोई विशेष जिम्मेदारी नहीं सौंपी। कैलाश विजयवर्गीय के कारण इंदौर 1 में जरूर थोड़ी सक्रियता दिखाई देती है।

जीतू जिराती – संगठन के काम पर अच्छी पकड़। राऊ विधानसभा क्षेत्र में मजबूत नेटवर्क, अच्छे वक्ता, युवाओं में लोकप्रिय। संगठन के बड़े नेताओं के भी पसंदीदा। स्थानीय समीकरण के चलते कोई पूछ परख नहीं इसलिए इन दिनों इंदौर के बजाय उज्जैन संभाग में ज्यादा सक्रिय।

जयपाल सिंह चावड़ा – सालों तक संगठन मंत्री रहे, बाद में इंदौर विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष रहते हुए सक्रिय राजनीति में आ गए। चुनावी रणनीति के अच्छे जानकार, सबको साधने में माहिर और काम लेना भी आता है। बूथ स्तर की रणनीति में सिद्धहस्त। जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे बखूबी निभाते हैं।

सुदर्शन गुप्ता – पार्टी का नगर अध्यक्ष रहने के साथ ही दो बार विधायक भी रहे। संगठन और उम्मीदवार की ओर से कोई पहल न होने के कारण यह अभी केवल इंदौर एक विधानसभा क्षेत्र में सीमित है जबकि इनका लाभ इंदौर तीन और इंदौर चार विधानसभा क्षेत्र में भी पार्टी को मिल सकता है।

गोविंद मालू – सुमित्रा महाजन के कई लोकसभा चुनाव में कोर ग्रुप के सदस्य रहे। चर्चा में रहने वाले मुद्दे सामने लाने और उसके आधार पर विरोधी उम्मीदवार की घेराबंदी करने में माहिर है। स्थानीय स्तर पर तो तवज्जो नहीं दी गई लेकिन प्रदेश भाजपा ने चुनाव प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप कर भोपाल में तैनात कर दिया।

संतोष मेहता – लक्ष्मण सिंह गौड़ के अन्नय सहयोगी रहे, अच्छे वक्ता और कुशल रणनीतिकार, कार्यालय संचालन में माहिर, मुद्दों पर अच्छी पकड़ रखते हैं। जिसका फायदा पार्टी और उम्मीदवार दोनों को मिलता है। पार्टी में कोई पुछ परख नहीं होने से इन दोनों अपने व्यापार व्यवसाय में लगे हुए।

नोटा के इस्तेमाल में नंबर वन न आ जाए इंदौर, भाजपा हाईकमान की बढ़ी चिंता

इंदौर। भाजपा कार्यालय पर हुई नेताओं की बैठक के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। नेता भले ही कह रहे हैं कि यह बैठक मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर थी लेकिन अंदर की बात यह है कि इस बैठक में दिल्ली से जुड़े वरिष्ठ नेताओं ने 29 अप्रैल को हुए घटनाक्रम को लेकर नाराजगी जताई है।बैठक में इस बात की आशंका भी जताई गई है कि नोटा के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने की स्थिति में स्वच्छता में देशभर में पहले पायदान पर खड़ा इंदौर नोटा के इस्तेमाल में भी पहले नंबर पर आ सकता है। ऐसा होना भाजपा के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। देर रात करीब साढ़े 12 बजे तक चली बैठक के बाद बाहर निकले नेता इस संबंध में चर्चा से बचते रहे। उन्होंने इतना ही कहा कि मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चर्चा थी, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि देर रात अचानक से वरिष्ठ नेताओं ने यूं ही पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगराध्यक्ष गौरव रणदिवे, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और जिले के सभी नौ विधायकों को नहीं बुलाया होगा।इधर बैठक से बाहर निकले भाजपा नगराध्यक्ष ने बताया कि मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भाजपा विशेष अभियान चलाएगी। इसके तहत विशेष दल बनाए जा रहे हैं तो मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। विशेष दलों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया जाएगा ताकि उनके अनुभव का फायदा पार्टी को मिल सके। इसके अलावा सीए, डॉक्टर, वकील जैसे अलग-अलग क्षेत्रों से पार्टी से जुड़े लोगों के दल भी बनाए जा रहे हैं। ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। पार्टी का लक्ष्य इस बार इंदौर में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान कराने का है।

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में देश के टॉप 10 एयरपोर्ट की सूची से बाहर हुआ इंदौर, कभी पहले स्थान पर था

इंदौर। सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रैंकिंग में देश के टॉप 10 एयरपोर्ट की सूची से बाहर हो गया है। इंदौर एयरपोर्ट 12 वें नंबर पर पहुंच गया है। 31 बिन्दुओं के सर्वे में से सभी 31 बिन्दुओं पर इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट के अंक कम हो गए हैं। इस सर्वे के बाद आई रिपोर्ट में गोवा देश का नंबर वन एयरपोर्ट बन गया है। जबकि चैन्नई एयरपोर्ट दूसरे और त्रिंची तीसरे स्थान पर है। बता दें कि यह रिपोर्ट हर तीन महीने में जारी की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार अब इंदौर एयरपोर्ट से देश के सिर्फ दो एयरपोर्ट अमृतसर और श्रीनगर एयरपोर्ट ही पीछे है। जबकि अन्य सभी एयरपोर्ट अब इंदौर एयरपोर्ट से आगे निकल गए हैं। गौरतलब है कि इंदौर एयरपोर्ट फरवरी 2023 के पहले देश में नंबर एक स्थान पर था।

सभी बिन्दुओं पर कम हुए अंक

एयरपोर्ट अथॉरटी ऑफ इंडिया ने रविवार देर रात 2024 की पहली तिमाही (जनवरी से मार्च) की रिपोर्ट जारी की है। इसमें जानकारी मिली है कि इंदौर एयरपोर्ट देश के 14 एयरपोर्ट में से 12 नंबर पर आ गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार इंदौर देश का एकमात्र ऐसा एयरपोर्ट है, जिसके सभी 31 बिन्दुओं में अंक कम हुए हैं। बताया जा रहा है कि पिछले साल की अंतिम तिमाही की तुलना में इंदौर एयरपोर्ट को सबसे अधिक 0.15 अंकों का नुकसान हुआ है।

शहर में एंट्री-एक्जिट की 17 लोकेशन पर 180 कैमरों की रहेगी नजर

इंदौर। अपराध रोकने के लिए पुलिस शहर में तीसरी आंख, अर्थित कैमरों का जाल बिछाने में लगी है। अब शहर में एंट्री-एग्जिटकी 17 लोकेशन पर 180 कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।शहर में पिछले कुछ सालों में पुलिस कैमरों का जाल बिछा चुकी है। जहां पुलिस ने खुद एक हजार से अधिक कैमरे चौराहों और प्रमुख क्षेत्रों में लगा रखे हैं, वहीं जनता के सहयोग से भी कैमरे लगा रही हैं। विजय नगर, सराफा, 56 दुकान जैसे कई मार्केटों में पुलिस जनसहयोग से कैमरे का जाल बिछा चुकी है। शहर में लगभग 8000 निजी कैमरे लगे हैं, जिनका उपयोग पुलिस अपराधों पर नियंत्रण करने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए कर रही है, लेकिन अभी भी शहर में एंट्री-एग्जिट के पॉइंट कैमरों की नजर से बचे हुए थे। शहर में घुसने और बाहर जाने की 17 लोकेशन चिह्नित की थीं। मुख्यालय ने पुलिस का यह प्रस्ताव मंजूर कर लिया है। अब ऐसी 17 लोकेशन पर पुलिस 180 कैमरे लगाने जा रही है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही इन लोकेशन पर तीसरी आंख की सीधे नजर रहेगी। लसूडिया बायपास, कनाडिया बायपास, नेमावर रोड, तेजाजी नगर, राऊ, सांवेर रोड, गोम्मटगिरि, बुढ़ानिया, नावदापंथ, टीसीएस चौराहा, रालामंडल, एमआर-10 और राऊ-पीथमपुर रोड सहित 17 स्थानों पर ये कैमरे लगाए जाएंगे। किसी स्थान पर 4 तो किसी लोकेशन पर 10 कैमरे लगाने का प्रस्ताव है।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की लू से बचाव की एडवाइजरी

स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध हैं लू के उपचार की सभी व्यवस्थाएं

इंदौर। तापमान में बढ़ोत्तरी को देखते हुए लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही जिला अस्पताल से लेकर उपस्वास्थ्य केंद्र तक की संस्थाओं को लू के प्रकरणों के उपचार के लिए अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू के प्रारंभिक प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर बनाए गए हैं। उल्टी, दस्त, बुखार के प्रबंधन और उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं स्वास्थ्य केंद्रों में सुनिश्चित की गई हैं।

गंभीर और घातक हो सकती है लू

लू होने पर शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। यह स्थिति धीरे-धीरे हो सकती है या एकाएक भी आ सकती है। जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बंद कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न किया जाए तो व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

लक्षणों की जल्द पहचान करके बीमारी की गंभीरता को किया जा सकता है कम

तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का न आना, सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना, लू लगने के लक्षण है। इन लक्षणों की पहचान जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है, जिससे शीघ्र उपचार शुरू किया जा सके।

डिहाइड्रेशन की स्थिति से बचें

तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और नमक की कमी हो जाती है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि बहुत अधिक समय तक धूप के सीधे संपर्क में न रहे। तेज गर्मी होने पर अधिक मात्रा में पानी पीना, सर और कानों को कपड़े से अच्छी तरह से ढकना, हल्के सूती वस्त्र पहनना तथा धूप में चश्मा, छाता, टोपी एवं जूता पहनना जरूरी है। पसीना अधिक आने की स्थिति में ओआरएस घोल, लस्सी, मठ्ठा एवं फलों का रस पीना चाहिए । चक्कर या मितली आने पर छायादार स्थान पर रुक कर आराम करना, शीतल पानी अथवा उपलब्धता अनुसार फलों का रस, लस्सी आदि का सेवन किया जाना चाहिए। उल्टी होने, सर दर्द, तेज बुखार की स्थिति होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में सलाह लेनी चाहिए। लू लगने पर प्रारंभिक तौर पर व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लेट कर आराम करवाना चाहिए। बुखार होने पर सिर पर ठंडे पानी की पट्टी लगानी चाहिए । छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का गर्मी के मौसम में विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

गंभीर स्थिति में स्वास्थ्य संस्था में लें उपचार

लू जानलेवा हो सकती है। लू लगने पर व्यक्ति शॉक में चला जाता है। लू लगने पर सबसे पहले मरीज को पानी पिलाकर शरीर के तापमान को कम करने के उपाय किए जाने चाहिए। शरीर में पानी की कमी ना हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। सामान्य तापमान के पानी में कपड़े को भिगोकर शरीर पर मलना चाहिए। मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना जरूरी है।

संपादकीय

राहुल ने इस बार खुद को सही साबित किया

एक ऐसे व्यक्ति के लिए जिस पर अक्सर राजनीति में अपने थीम गीत, रणनीति और समय को गलत करने का आरोप लगाया जाता है, वह व्यक्ति राहुल गांधी ने इस बार रायबरेली से लोकसभा चुनाव लडऩे की मांग करके इसे बिल्कुल सही कर दिया है। इससे पहले, जब उनकी पार्टी 2022 में गुजरात में बुरी तरह हार रही थी, तब वह अपनी दक्षिण-उत्तर भारत जोड़ो यात्रा करने में व्यस्त थे। लेकिन, दूसरे पूर्व-पश्चिम चरण में, लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने पर उनकी यात्रा समाप्त हो गई। उन्होंने जान लिया है कि लोगों से जुडऩे के लिए यात्रा बहुत अच्छी हो सकती है, लेकिन वास्तविक चुनाव में अपनी पार्टी की मदद के लिए उन्हें और भी बहुत कुछ करना होगा। जबकि मीडिया में अटकलें उनकी उम्मीदवारी को लेकर चारों ओर हैं और इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि क्या वह अमेठी में स्मृति ईरानी के साथ दोबारा मुकाबला करना चाहेंगे या नहीं, जहां वह 2019 में हार गए थे। रायबरेली की पसंद 2 चीजों का संकेत देती है। यू.पी. में जीत या हार के राजनीतिक परिणामों के बारे में जागरूकता, और यह भी कि उन्हें लंबी अवधि के लिए पार्टी का आधार बढ़ाने की जरूरत है। बेशक, उन्हें अभी भी वायनाड में अपने मतदाताओं को कुछ समझाना होगा, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था और जहां वह जीत सकते हैं, लेकिन यह बाद के लिए एक समस्या है। वायनाड में अपना नामांकन दाखिल करते समय, उन्होंने इसे अपना घर कहा और लोगों को अपना परिवार। यदि वह रायबरेली जीतते हैं, जहां फिर से उनकी संभावनाएं अच्छी लगती हैं, तो उन्हें एक कठिन विकल्प चुनना होगा। 2019 की मोदी

लहर के बीच यू.पी. में कांग्रेस ने जो सीट जीती, उसमें पार्टी को अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी पर 1,67,000 से अधिक वोटों की बढ़त थी। राजनीतिक लागत-लाभ की गणना इस बार स्पष्ट रूप से अमेठी के मुकाबले रायबरेली के पक्ष में रही। स्पष्ट रूप से, राहुल को एहसास है कि उन्हें न केवल अपनी सीट जीतनी है, बल्कि यू.पी. में अपनी पार्टी की वृद्धि भी फिर से सुनिश्चित करनी है। भले ही पार्टी इस बार बहुत अधिक सीटें नहीं जीत पाई है, फिर भी उसे राज्य में बीच-बचाव की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी ने 2009 के चुनावों में यू.पी. से 21 सीटें जीतीं, जिससे साबित हुआ कि यह अधिक आबादी वाला राज्य (अविभाजित आंध्र के अलावा) उसके लिए महत्वपूर्ण था। यू.पी. में 2014 कांग्रेस के विघटन की शुरूआत हुई। कांग्रेस के लिए यह मानना मूर्खतापूर्ण है कि वह स्वयं रायबरेली में बढ़त पर है। भाजपा चुनावी लड़ाई को आसान बनाने के लिए कोई भी कदम उठाना नहीं छोड़ेगी। लेकिन, जीतें या हारें, राहुल ने अपनों को कड़ा संदेश दे दिया है।

राहुल गांधी को 4 जून को अपनी पार्टी के लिए बेहद सकारात्मक परिणाम देने होंगे, जब नतीजे सामने आएंगे। लेकिन उन्होंने जो किया है उससे पता चलता है कि वह लंबे समय से इसमें हैं और एक रात में ही काम करने वाले नहीं हैं। भारत जोड़ो यात्रा से पहले और उसके बाद भी, उनकी लंबे समय तक देश से गायब रहने की प्रवृत्ति रही है। समय के साथ कुछ ऐसा देखा गया जो उनकी पार्टी के लोगों को पसंद नहीं आया। पार्टी में कुछ ऐसे लोग हैं जो उनसे अधिक प्रतिबद्धता की उम्मीद करते हैं।

यात्रा ने उनके लिए दो चीजें कीं। एक, इससे उन्हें अपनी 'पप्पू छवि' पीछे छोडऩे का मौका मिला और दूसरा, इससे यह साबित हुआ कि आवश्यकता पडऩे पर दूरी तय करने के लिए उनके पास आवश्यक शारीरिक सहनशक्ति है। अपने लिए जनादेश मांगने के लिए उनकी यू.पी. में वापसी हुई है। परिवार का किला यही संदेश देता है कि आप जाति जनगणना कराने के उनके कट्टरपंथी एजैंडे, या उनकी पार्टी की पुनर्वितरण की प्रवृत्ति, या दाएं, बाएं और केंद्र के मतदाताओं को अप्राप्य मुफ्त सुविधाएं देने की प्रवृत्ति से असहमत हो सकते हैं। लेकिन अब आप अपनी पार्टी के लिए बेहतर परिणाम देने की उनकी उत्सुकता पर संदेह नहीं कर सकते। यदि कोई राजवंश समय-समय पर ऐसा नहीं कर सकता तो वह टिक नहीं सकता। उन्होंने अब इरादे का संकेत दे दिया है।

सोशल मीडिया से...

यदुवंशियों के नाम पर राजनीति करने वाले, आपको शहजादे की आरती उतारनी हो तो उतारो। मोदी तो भगवान श्री कृष्ण की आरती उतारेगा।
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आज बंगाल के कृष्णानगर, बर्धमान-दुर्गापुर और बिहार की उजियारपुर लोकसभा के बहनों-भाइयों के बीच रहूँगा। जनता विपक्ष की तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को हमेशा के लिए समाप्त करने और मोदी जी को 400 सीट देने का मन बना चुकी है।
अमित शाह, भारत के गृह मंत्री

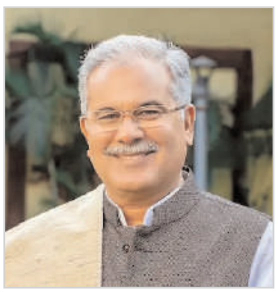

हमारी सरकार बनने के बाद हमने किसानों को धान का ?2500 देना शुरू किया, मोदी सरकार ने अडंगा लगाया तो हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 4 किश्तों में किसानों को पैसे दिए और अपना वादा पूरा किया, किसानों को कोई परेशानी हमने अपने शासन में होने नहीं दी।
भूपेश बघेल, लोकसभा के लिए उम्मीदवार विधायी

इस बार के लोकसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है और इस लड़ाई में पूरी दिल्ली अपने मुख्यमंत्री केजरीवाल जी के साथ है। आज सुनीता केजरीवाल जी ने दक्षिणी दिल्ली में चुनाव प्रचार किया। रोड-शो में आई लोगों की ये भीड़ और उत्साह ये बताने के लिए काफ़ी है कि दिल्ली इस बार जेल का जवाब अपने वोट से देने जा रही है।
अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री

आज का कार्टून

ओडिशा की पुरी सीट से लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संदेश

लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले मार्च के शुरू में कांग्रेस पार्टी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि आयकर विभाग ने उसके खाते सील कर दिए हैं और उसके पास चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं बचा। सुचारिता मोहंती ने उसी की पुष्टि की है, जब उन्होंने टिकट लौटाते हुए अपनी चिट्ठी में लिखा कि जब उन्होंने उड़ीसा के चुनाव प्रभारी अजय कुमार से इलेक्शन फंडिंग के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उन्हें खुद ही पैसा जुटाना होगा। इससे यह भी जाहिर हुआ कि अगर मजबूरी में कोई राजनीतिक दल किसी कार्यकर्ता को टिकट दे भी देता है, तो उसके खुद के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह चुनाव लड़ सके। उसे अपने राजनीतिक दल पर निर्भर रहना पड़ता है, सुचारिता ने यही सोचा था कि जैसे हमेशा से कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार को चुनाव में खर्च करने के लिए सूटकेस भेजती है, वैसे उसे भी सूटकेस मिलेगा।

अजय सेतिया

ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दी है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है, जबकि भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के उम्मीदवार पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, इसलिए वह उनका मुकाबला नहीं कर सकती।

सुचारिता मोहंती का यह संदेश कांग्रेस के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है कि चुनाव प्रणाली पर धनाढ्य लोगों का कब्जा हो गया है और लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। सुचारिता ने भारतीय लोकतंत्र की सच्चाई को नंगा करके रख दिया है कि राजनीति अब सेवा नहीं, अमीरों का व्यवसाय बन चुकी है।

चुनावों में धन का बढ़ता प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न कर रहा है। अब बड़े राजनीतिक दल बहुत मजबूरी में ही अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट देते हैं। पिछले एक दशक में कार्यरत और रिटायर्ड नौकरशाहों का बड़े पैमाने पर राजनीति में प्रवेश हो रहा है। वे किसी भी राजनीतिक दल में प्रवेश पाते ही टिकट पा लेते हैं, और जीवन भर किए गए भ्रष्टाचार से एकत्र कमाई का इस्तेमाल करके चुनाव जीत भी जाते हैं।

ज्यादातर पार्टियां एक आदमी या परिवार के नाम पर चल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ मोदी के नाम पर चलने वाली पार्टी बनती जा रही है। कांग्रेस के सोनिया-राहुल हैं, सपा के अखिलेश यादव हैं, बसपा की मायावती हैं, आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल हैं, जदयू के नीतीश कुमार हैं, राकांपा के शरद पवार हैं, राजद के लालू हैं, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे हैं, डीएमके के स्टालिन हैं आदि आदि। इन पार्टियों के भीतर कोई लोकतंत्र नहीं है।

ये सारी पार्टियां प्रोपराइटरशिप फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चल रही हैं। लाखों-करोड़ों लेकर टिकट बेचती हैं और दावा करती हैं कि पार्टी में इंटरनल डेमोक्रेसी है। क्या कारण है कि राजनीतिक दल अपने समर्पित कार्यकर्ता का टिकट काट कर या हक मार कर भ्रष्ट नौकरशाह को टिकट थमा देते हैं। सच यह है कि अपने काले धन के बूते भ्रष्ट लोग राजनीतिक दल को अपनी काली कमाई का एक हिस्सा देकर टिकट हासिल करते हैं, तो वे एक तरह से राजनीति में निवेश कर रहे होते हैं कि जीत कर अपने निवेश का कई गुना वसूल करेंगे। ऐसे नौकरशाहों को पहली बार लोकसभा में पहुंचते ही मंत्री बनते और फिर अगली बार टिकट कटते भी देखा जा रहा है।

सुचारिता ने कांग्रेस पार्टी को अपना टिकट लौटाकर देश को बताया है कि राजनीति और चुनावों में काले धन के बढ़ते इस्तेमाल से देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में आम लोगों की भूमिका लगभग खत्म हो गई है। करीब दस साल पहले दक्षिण एशियाई देशों के एक सम्मेलन में इस विषय पर गहन चर्चा हुई थी। इस सम्मेलन में कहा गया था कि अगर चुनावों में धन बल का इस्तेमाल न रोका गया तो निष्पक्ष चुनाव करवाना मुश्किल हो जाएगा। एडीआर ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था कि चुनाव सुधारों के मद्देनजर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से किए जाने वाले खर्च में अपारदर्शिता का मुद्दा बहुत चिंतनीय विषय है।

लोकसभा या विधानसभा चुनावों में एक प्रत्याशी को कितना खर्च करना है, इसकी सीमा तो है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए एक उम्मीदवार अधिकतम 90 लाख और विधानसभा चुनाव के लिए अधिकतम 40 लाख खर्च कर सकता है, कुछ छोटे राज्यों के लिए यह सीमा 70 लाख और 28 लाख रूपए है। सच्चाई यह कि उमीदवार तो अपने काले धन से करोड़ों रूपए खर्च करते ही हैं, राजनीतिक दल भी अलग से करोड़ों रूपए खर्च कर देते हैं।

लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले मार्च के शुरू में कांग्रेस पार्टी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि आयकर विभाग ने उसके खाते सील कर दिए हैं और उसके पास चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं बचा। सुचारिता मोहंती ने उसी की पुष्टि की है, जब उन्होंने टिकट लौटाते हुए अपनी चिठ्ठी में लिखा कि जब उन्होंने उड़ीसा के चुनाव प्रभारी अजय कुमार से इलेक्शन फंडिंग के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उन्हें खुद ही पैसा जुटाना होगा।

इससे यह भी जाहिर हुआ कि अगर मजबूरी में कोई राजनीतिक दल किसी कार्यकर्ता को टिकट दे भी देता है, तो उसके खुद के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह चुनाव लड़ सके। उसे अपने राजनीतिक दल पर निर्भर रहना पड़ता है, सुचारिता ने यही सोचा था कि जैसे हमेशा से कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार को चुनाव में खर्च करने के लिए सूटकेस भेजती है, वैसे उसे भी सूटकेस मिलेगा।

इस घटनाक्रम ने यह भी साबित कर दिया कि राजनीतिक दल जब सत्ता में होते हैं, तो बड़े बड़े उद्योगपति और कॉरपोरेट घराने उन्हें अपने पक्ष में नीतिया बनाने और सरकारी काम के ठेके देने के बदले खूब चंदा देते हैं। जब सरकार नहीं होती, वे उन उद्योगपतियों और कॉरपोरेट घरानों को किसी लाभ पहुँचाने की स्थिति में नहीं होते, तो उन्हें चंदा या तो मिलता ही नहीं या कम हो जाता है।

2014 तक सभी राजनीतिक दलों को सभी उद्योगपति और कॉरपोरेट घराने कैश में ब्लैक मनी देते थे। राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले फंड में काले धन के मुकाबले चैक से मिलने वाले सफेद धन की मात्रा बहुत कम होती है। पिछले दिनों जब सुप्रीमकोर्ट ने राजनीतिक दलों को मिलने वाले इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक ठहरा कर बंद किया तो खुलासा हुआ कि सत्ताधारी राजनीतिक दल भाजपा को विपक्षी दल कांग्रेस से पांच गुना ज्यादा चंदा मिला था। इलेक्टोरल बॉन्ड काले धन को खत्म करने का एक उपाय था, क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल को इस माध्यम से मिलने वाला चंदा बैंक के माध्यम से मिल रहा था, जो उनकी आयकर रिटर्न में भी होता।

जब इलेक्टोरल बॉन्ड बंद किए गए तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि 90 के दशक में जब भाजपा ने तय किया कि वह कैश में चंदा नहीं लेगी, तो उनके बैंक खाते खाली हो गए थे। राजनीति में काले धन का कितना इस्तेमाल होता है, उसका एक उदाहरण 2013 में तब मिला जब दिल्ली विधानसभा के चुनावों के वक्त एक अखबार ने कैश लेकर राजनीतिक दलों का विज्ञापन छापना बंद कर दिया था, तो कांग्रेस पार्टी ने उस अखबार को विज्ञापन ही नहीं दिया।

कोई भी राजनीतिक दल नहीं चाहता कि उन्हें मिलने वाले चंदे को आरटीआई के दायरे में लाया जाए। जब जब राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने की मांग उठी थी, सारे राजनीतिक दलों ने इकट्ठे होकर उसका विरोध किया, लेकिन इलेक्टोरल बॉन्ड पर विपक्षी दल पारदर्शिता की मांग करने लगे, क्योंकि उनका चंदा घट गया था और सत्ताधारी दल का बढ़ गया था।

सवाल यह है कि कोई उम्मीदवार अपने चुनाव पर करोड़ों रूपए खर्च क्यों करता है। कोई राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए करोड़ों रूपए खर्च क्यों करता है। कोई उद्योगपति और कॉरपोरेट घराना किसी राजनीतिक दल को करोड़ों रूपए का चंदा क्यों देता है। साफ़ है कि जो करोड़ों खर्च करेगा, चुनाव जीतने के बाद उसकी भरपायी लोकतांत्रिक व्यवस्था को कहीं न कहीं नुकसान पहुंचा कर ही करेगा।

यहीं से पक्षपात और घपले-घोटालों की शुरुआत होती है, जो लगातार लोकतंत्र को कमजोर करती जा रही है। लोकतंत्र के लिए समस्या गंभीर है, लेकिन सरकारों और राजनीतिक दलों को समाधान खोजने की चिंता इसलिए नहीं है, क्योंकि उनकी मोटी कमाई इसी व्यवस्था से हो रही है। चुनावों में धनबल पर लगाम कसने के लिए चुनाव आयोग ने कई कोशिशें की हैं, लेकिन फिर भी हर चुनाव में करोड़ों रूपए की नकदी बरामद की जाती है। वह भी आटे में नमक जितना भी नहीं होता। उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच एक तरह से यह चूहे-बिल्ली का खेल चलता रहता है, और चुनावों में धन का प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

एमपी से मालदीव जाने के लिए होड़

इंदौर से ही ऑफ सीजन में मालदीव के लिए महीने की 600 बुकिंग

इंदौर। इंदौर से मालदीव जाने वाले पर्यटकों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी है। पहले इंदौर सहित पूरे प्रदेश से मालदीव के लिए हर महीने लगभग 1100 के करीब टूर पैकेज बुक होते थे। लेकिन जनवरी में भारत-मालदीव के बीच बढ़ते विवाद और प्रधानमंत्री के लक्षद्वीप दौरे के बाद से बुकिंग घटी थी। जो 100 टूर तक आ गई थी लेकिन अब फिर ट्रेंड बदला है। समर सीजन में एक बार फिर मालदीव जाने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होने लगा है। ऑफ सीजन होने के बावजूद मध्य प्रदेश से हर महीने मालदीव के लिए 500-600 टूर पैकेज बुक हो रहे हैं। यानी वापस से 500त्न का उछाल आया है। हालांकि, यह की तुलना में जनवरी से फिर भी आधा ही है।

जनवरी से पहले हर महीने 1 हजार से ज्यादा थी बुकिंग- ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष हेमेंद्रसिंह जादौन के अनुसार इंदौर सहित पूरे प्रदेश से जनवरी 2024 के पहले हर माह मालदीव के 11 सौ के करीब पैकेज बुक होते थे। जनवरी के बाद यह संख्या 100 से भी कम रह गई थी। वहीं मार्च से इस संख्या में दोबारा इजाफा होने लगा है। बताया जा रहा है कि हर माह अब 500 से 600 पैकेज बुक हो रहे हैं। ऑफ सीजन होने के बाद भी इतनी संख्या में पैकेज बुक होना बड़ी बात है। आने वाले समय में इस संख्या में और इजाफा होगा।

90 हजार से 4 लाख तक के पैकेज- बुकिंग से जुड़े लोगों ने बताया मालदीव जाने के लिए हर तरह के पैकेज उपलब्ध है। मुंबई-दिल्ली जैसे बड़े शहरों से माले के लिए सीधी उड़ान मिल जाती है। इसके बाद अलग अलग रिजॉर्ट के अनुसार पैकेज होते है। न्यूनतम 90 हजार रुपए प्रति व्यक्ति से लेकर 4 लाख रुपए प्रति व्यक्ति तक का पैकेज होता है। लोग इसे अपने हिसाब से कस्टमाइज करवाते हैं।

टूट गई कमर, भारत में करेंगे रोड शो- मालदीव की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पर्यटन पर टिकी है। यहां आने वाले पर्यटकों में पहले नंबर पर भारतीय और दूसरे नंबर पर चीन है। भारतीयों के बहिष्कार का मालदीव की टूरिज्म इकोनॉमी पर काफी असर हुआ है। वहां के अधिकारी अब भारतीय पर्यटकों को रिझाने के लिए रोड शो करने की तैयारी में हैं।

लक्षद्वीप की फ्लाइट भी महंगी, इसलिए बुकिंग कम- इंदौर से लक्षद्वीप की बुकिंग ना के बराबर हो रही है। इसके पीछे का सबसे अहम कारण महंगा एयर फेयर है। बताया जा रहा है कि इंदौर से लक्षद्वीप जाने का किराया ही 30 हजार रुपए है। वहीं लक्षद्वीप में ज्यादा सुविधाएं भी नहीं है। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन और बुकिंग एजेंट के अनुसार पहले जहां लक्षद्वीप के लिए 100 से 125 इन्क्वायरी प्रतिदिन आ रही थी, वहीं अब दो-तीन इन्क्वायरी भी मुश्किल से आ रही है।

दोनों देशों के बीच विवाद के बारे में भी जान लीजिए- 9 सितंबर 2023 को मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक मोहम्मद मोइज्जू की ने सत्ता में आते ही इंडिया आउट की नीति लागू कर दी। मोइज्जू ने भारत से अपने सैनिकों को वापस बुलाने को कहा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 और 3 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे पर थे।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

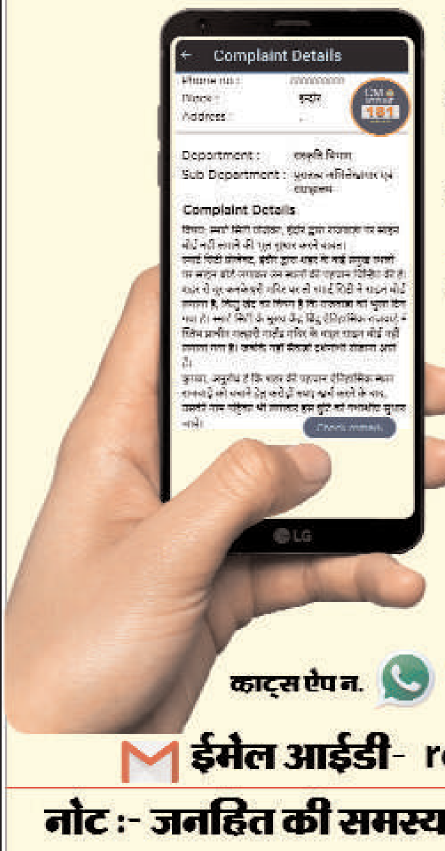

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सऊदी अरब के एक फैसले से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, आगे भी दाम बढ़ने की आशंका

नईदिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब के एक फैसले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के दाम में उबाल आने की आशंका बढ़ गई है। आज भी क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दरअसल सऊदी अरब ने ज्यादातर क्षेत्रों के लिए जून में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। इसके बाद आज सोमवार को तेल वायदा में तेजी आई और गाजा युद्धविराम समझौते की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। इससे यह आशंका फिर से बढ़ गई कि प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र में इजरायल-हमास संघर्ष अभी भी बढ़ सकता है। सऊदी अरब के इस तिमाही में ऑयल सप्लाई में कमी के बीच अधिकांश क्षेत्रों के लिए जून ओएसपी बढ़ाने के बाद तेल के दाम ऊपर जाने तय लग रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम आज उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.31 फीसदी चढ़कर 78.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है जबकि ब्रेंट क्रूड 0.24 फीसदी चढ़कर 83.16 डॉलर प्रति बैरल के रेट पर ट्रेड कर रहा है। सऊदी अरब ने जून में एशिया, उत्तर-पश्चिमी यूरोप और भूमध्य सागर में बेचे जाने वाले अपने कच्चे तेल की आधिकारिक बिक्री कीमतें बढ़ा दीं, जो इस गर्मी में मजबूत मांग की उम्मीद का संकेत है। इसी का असर है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन कम होने की वजह से पिछले हफ्ते 7.3 फीसदी से थोड़ी ज्यादा गिरावट के बाद, आईसीई ब्रेंट ने मजबूत स्तर पर नए कारोबारी सप्ताह की शुरुआत की है। पिछले हफ्ते दोनों कच्चे तेल के दोनों कॉन्ट्रेक्ट्स में तीन महीने में अपना सबसे बड़ा साप्ताहिक घाटा दर्ज किया था। इसमें ब्रेंट 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया और डब्ल्यूटीआई 6.8 फीसदी लुढ़का था। कमजोर अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती के संभावित समय का अनुमान लगाने के बाद निवेशकों ने ये अंदाजा लगाया था लेकिन एक ही हफ्ते में स्थिति बदलती दिख रही है।

आईआईएचएल को आरकैप सौदे पर अभी तक इरडा की मंजूरी नहीं मिली : हिंदुजा

मुंबई एजेंसी। आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा कि उसे रिलायंस कैपिटल के 9,650 करोड़ रुपए के अधिग्रहण के लिए बीमा नियामक इरडा से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि आईआईएचएल इस सौदे के लिए नवंबर से ही भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आईआईएचएल को जल्द से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है और कहा कि आमतौर पर ऐसी मंजूरी 2-3 महीने में मिल जाती है। हिंदुजा ने कहा कि आईआईएचएल इरडा की मंजूरी के 48 घंटे के भीतर बोली राशि का भुगतान करके सौदा पूरा कर लेगी। आरकैप की 9,650 करोड़ रुपए की खरीद प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण की 27 मई की समयसीमा खत्म होने में तीन सप्ताह से कुछ अधिक समय बाकी है।

Indian Embassy in China interacts with students affected by Covid visa bans

The Indian Embassy in China held its first interactive session with the Indian students who suffered the most during the three-year COVID-19 period following China's visa bans prolonging their academic periods for several years. Around 80 old and new students from more than 13 Chinese universities took part in the "welcome and interaction ceremony" held on May 4.

Indian Ambassador to China Pradeep Kumar Rawat, and Counsellor Nitinjeet Singh interacted with the students and heard their grievances and experiences during Saturday's meeting. The meeting also included a detailed presentation by Amit Sharma, Second Secretary (Education) on various services offered by the Embassy, dos and don'ts for students, the Embassy posting on X said.

Until the corona virus struck China in early 2020 over 23,000 Indian students mostly studying medicine in Chinese universities constituting the second-highest number of foreign students after Pakistan. Currently, the numbers reportedly come down to around 10,000 across China. Chinese medical universities became preferred destinations in the past as private medical colleges in India charged exorbitant fees while admissions to government institutions became extremely competitive. However, they have to write the Foreign Medical Graduates Examination in India to qualify for practice in India.

When COVID-19 struck China, most of the Indian students left for home at the height of lockdowns and could not return until early last year due to China's visa bans and restrictions. Many of them started returning in the latter part of 2022 while the Chinese universities began a new intake of students last year. Some of the old students in their media interactions said they are shattered by China's COVID visa bans and feel that Beijing could have handled the crisis more compassionately taking into consideration the impact of the restrictions had on their academic careers and meagre budgets as most of them hail from middle-class backgrounds.

Saturday's meeting was the first held by the Indian Embassy here to step up its interactions with the students considering their plight and the issues they faced. During the height of the COVID visa bans, the Embassy actively pursued with China to permit the early return of the students considering the damage the delay caused to their studies.

Students said they were told at the meeting to remain cautious and disciplined strictly abiding by the local laws. According to recent reports, three Indian students were under detention in China on charges of criminal offences.

Australia resumes accepting TOEFL scores for visas

The Educational Testing Service (ETS), the body behind the Test of English as a Foreign Language (TOEFL), on Monday announced that TOEFL scores will again be considered valid for all Australian visa applications. This move comes after the Australian Department of Home Affairs (DHA) suspended the acceptance of TOEFL scores last July, pending a review.

TOEFL iBT is accepted by 100 per cent of Australian universities and over 12,500 institutions worldwide across 160 countries. The applicants who have taken the TOEFL iBT test from May 5, 2024, onwards can submit their scores as part of their Australian visa application.

Sachin Jain, country manager, ETS India & South Asia, said, "At ETS, we are committed to facilitating global higher education and mobility through our world-class assessments. Australia remains the preferred choice for Indian students and working professionals, with over 1.20 lakh Indian students studying in Australia last year. Further, with 9 Australian universities amongst the top 100 global universities as per the latest QS World University Rankings, Australia offers world-class higher education and post study work opportunities."

Besides TOEFL, Australia accepts scores from the following tests undertaken at a secure test centre for English language visa requirements:

— International English Language Testing System (IELTS), including One Skill Retake (OSR)*

— Pearson Test of English (PTE)

— Cambridge English (CAE) (also known as C1 Advanced)

— Occupational English Test (OET), noting this is a test developed for health professionals

एआई के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर कसेगा शिकंजा, सरकार की पूरी तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग के जरिये देश के आर्थिक चैनलों में मनी लॉन्ड्रिंग एवं आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने को पूरी तरह तैयार है। ऐसी गतिविधियों की जांच के लिए वित्तीय

सूचना इकाई (एफआईयू) ने एआई और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का अत्याधुनिक 2.0 संस्करण शुरू कर दिया है। वित्त वर्ष 2022-23 की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि फिनटेक 2.0 के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर शिकंजा कसने में काफी मदद मिलेगी। यह बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमताओं, डाटा गुणवत्ता में सुधार, व्यापक अनुपालन निगरानी और अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों से लैस है। इसकी मदद से तत्काल कार्रवाई के लिए उच्च जोखिम वाले मामलों, संस्थाओं या रिपोर्टों की आसानी से पहचान कर आतंकी फंडिंग जैसी गतिविधियों को रोका जा सकता है।

ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल में समस्याएं, दस्तावेज नहीं हो रहे अपलोड

इंदौर। स्नातक-स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू हो चुकी है। विद्यार्थियों को पंजीयन से लेकर दस्तावेज अपलोड करने में अधिक समय लग रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने पहली बार पंजीयन से पहले एकेडमी बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी, समग्र आईडी, ई-मेल, मूल निवासी, विधानसभा सहित कई जानकारी मांगी है। इसके बाद विद्यार्थियों को दस्तावेज अपलोड करना होता है। ये सारी प्रक्रिया पंद्रह से बीस मिनट में पूरी करना होती है। उसके बाद टाइम आउट होते ही पोर्टल बंद हो जाता है। कई बार छात्र-छात्राओं का पंजीयन पूरा नहीं हो पाता है। दोबारा ये प्रक्रिया करना पड़ती है। वहीं कई बार सर्वर में भी परेशानी आती है।

1 मई से उच्च शिक्षा विभाग ने 1 हजार 360 सरकारी-निजी कॉलेजों में संचालित 280 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। बीए, बीकॉम, बीसीए, बीएससी, बीबीए, एमए, एमकॉम, एमएससी सहित कई कोर्स में छात्र-छात्राएं में दिलचस्पी दिखा रहे है। प्रवेश प्रक्रिया के तहत पंजीयन के बाद विद्यार्थियों को दस्तावेज अपलोड करना है।

विद्यार्थियों को आ रही ये समस्याएं- छात्र अमित जैन के मुताबिक 12वीं सीबीएसई का रिजल्ट नहीं आया है। आवेदन के दौरान करियर प्रोस्पेक्टिव काम छोड़ दिया तो पंजीयन पूरा नहीं हुआ है। इसके चलते दस्तावेज भी अपलोड नहीं हुए। छात्रा मुद्रा वाजपेयी का कहना है कि बीकॉम पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना है। रिजल्ट नहीं आया है। इसके चलते अंकसूची को छोड़कर बाकी दस्तावेज अपलोड किए हैं। मगर टाइम आउट बताकर पोर्टल से बाहर आ गई। पंजीयन भी पूरा नहीं हुआ। निजी कॉलेज प्राचार्य संघ के अध्यक्ष डॉ. राजीव झालानी के मुताबिक पंजीयन और दस्तावेज अपलोड करने की समस्या काफी विद्यार्थियों के सामने आ रही है। छात्र-छात्राओं को पंजीयन करवाने में घंटे भर से अधिक समय लग रहा है।

मूल निवासी प्रमाण पत्र न होने से दिक्कतें- विद्यार्थियों को पंजीयन के दौरान मूल निवासी का प्रमाण पत्र नहीं होने से दिक्कतें आ रही है। इसकी वजह से पंजीयन की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है। वैसे इन दिनों लोकसभा चुनाव होने से कलेक्टर कार्यालय से भी मूल निवासी प्रमाण पत्र बनाने में समय लग रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले साल तक पंजीयन के दौरान मूल निवासी अनिवार्य नहीं था। इस बार प्रमाण पत्र अपलोड करने के बाद आगे की प्रक्रिया विद्यार्थी कर सकते है।

निवेश मंत्रा: लंबी अवधि में लार्जकैप में निवेश बेहतर फैसला, ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

नईदिल्ली, एजेंसी। चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम अब अंतिम चरण में है। लगातार चौथी तिमाही में मार्जिन बढ़ने से कमाई में वृद्धि का रुझान बरकरार है। बाजार उच्चतम स्तर पर है, इसलिए निकट अवधि में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए। बाजार का मूल्यांकन महंगा है। मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, इसलिए लार्जकैप में बदलाव जरूरी है। निवेशकों को छोटी के बजाय लंबी अवधि पर ध्यान देना चाहिए। अगले दो महीने चुनाव के लिहाज से अहम हैं, जो निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय कर सकते हैं।

भारत के लिए मजबूत सकारात्मक कारक

भारत वैश्विक स्तर पर उन कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जो इसे बनाए रखने के लिए कई सकारात्मक कारकों के साथ मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। यह कारक निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करते रहना चाहिए। चुनाव खत्म हो जाने के बाद उम्मीद है कि भारत का पूंजीगत खर्च तेज हो जाएगा। विश्व स्तर पर कम ब्याज दरों की उम्मीदें एक और महत्वपूर्ण घटना है जिस पर नजर रखनी होगी।

ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

बाजार की गतिशीलता अनुकूल चक्रीय कारकों से प्रभावित होगी, जो मुख्य रूप से निजी पूंजीगत खर्च से प्रेरित है, जिसके निकट अवधि में बढ़ने की उम्मीद है। यह चक्र इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और यूटिलिटीज जैसे निवेश वाले क्षेत्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट क्षेत्र भी निवेश के लिहाज से आकर्षक है। बिजली, रक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों पर भी विचार किया जा सकता है, जिन्हें सरकार की नीतियों से फायदा हो सकता है।

मिड व स्मॉलकैप में तेजी के कारणनिवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने की जरूरत है। इन दोनों में से कुछ रकम लार्जकैप में निवेश की जा सकती है। हालांकि, निवेशकों के लिए जो अधिक महत्वपूर्ण है, वह एसेट एलोकेशन का पालन करना है। एक्सिस एएमसी के एमडी-सीईओ बी गोपकुमार कहते हैं कि अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग विभिन्न आर्थिक स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। निवेशक लंबे समय तक निवेशित रहें तो उनके पास बेहतर रिटर्न कमाने का मौका रहता है।निवेश का विविधीकरण बहुत जरूरी है।

रद्द उड़ानों का टिकट बेचने के आरोप में कंतास एयर लाइन पर गिरी गाज, चुकाने पड़ेंगे 7.9 करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख एयरलाइन क्वांटास एयरवेज पहले से रद्द हो चुकी उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री से जुड़ा मुकदमा को निपटाने को तैयार हो गया है। एयरलाइन ने इसके लिए 120 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति दे दी। एयरलाइन 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर या 6.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि जुर्माने के रूप में देगी वहीं 86,000 से अधिक ग्राहकों को 20 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर मुआवजे के रूप में दिया जाएगा। यह मामला 2021-2022 का है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष जीना कैस-गॉटलिब ने सोमवार को एक बयान में कहा, क्वांटास का आचरण अहंकारी और अस्वीकार्य था। कई उपभोक्ताओं ने एक ऐसे विमान की बुकिंग कर छुट्टी, व्यापार और यात्रा की योजना बनाई होगी, जिसे पहले ही रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हम यह कार्रवाई इसलिए सुनिश्चित कर रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाली कंपनियां हर समय अपने ग्राहकों के साथ स्पष्ट, सटीक और ईमानदारी से संवाद करती हैं।

क्वांटास समूह की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेनेसा हडसन ने कहा कि यह समझौता अदालत की मंजूरी के अधीन है और यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम राष्ट्रीय विमानन कंपनी के प्रति विश्वास बहाल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हडसन ने कहा, जब कोविड शटडाउन के बाद उड़ान फिर से शुरू हुई, तो हम मानते हैं कि कंटास ने ग्राहकों को निराश किया। हम जानते हैं कि हमारे कई ग्राहक समय पर विमान रद्द होने की सूचनाएं प्रदान करने में हुई हमारी विफलता से प्रभावित हुए थे और हमें ईमानदारी से इसके लिए खेद है।

क्वांटास, जिसने पिछले साल .1.1 बिलियन का वार्षिक लाभ दर्ज किया था। हाल के वर्षों में क्वांटास एयरलाइन टिकटों की बढ़ती कीमतों, खराब सेवा मानकों के दावों और कोविड-19 महामारी के दौरान 1,700 ग्राउंड स्टाफ की बर्खास्तगी जैसी चीजों के लिए चर्चा में रहा है। सितंबर में, तत्कालीन सीईओ एलन जॉयस ने एयरलाइन की व्यापक आलोचना के बीच शीर्ष पद पर 15 साल रहने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति को दो महीने के लिए आगे बढ़ाया था।

हर्षद मेहता युग की वापसी हो रही, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने छोटे निवेशकों को दी चेतावनी

मुंबई एजेंसी। आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर बाजार में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस गड़बड़ी की वजह से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष गोयनका ने चेताया कि शेयर बाजार में जो तेजी देखी जा रही है, वो हर्षद मेहता और केतन पारेख के दौर में जो धांधलियां हुईं, उनकी वापसी की वजह से हो सकती है।

हर्ष गोयनका ने ये भी दावा किया कि कोलकाता से गड़बड़ी की जा रही है और इसमें गुजराती और मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ काम कर रहा है। हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तेजी से बढ़ते शेयर बाजार के साथ हर्षद मेहता/केतन पारेख युग की वापसी हो रही है और खासकर कोलकाता से ये सब हो रहा है। प्रमोटर्स

(प्रॉफिट एंट्री के जरिए) मुनाफा बढ़ा रहे हैं और गुजराती-मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ स्टॉक की कीमतों को अवास्तविक स्तर पर ले जा रहा है। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है। वक्त आ गया है, जब सेबी और वित्त मंत्रालय इसमें दखल दे और छोटे निवेशकों को नुकसान होने से पहले इसकी जांच करे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद शनिवार को शेयर बाजार में गिरावट भी देखी गई और शेयर बाजार 74 हजार के अंक से नीचे पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखी गई। हालांकि कई ट्रेडर्स का कहना है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार आयकर व्यवस्था में बदलाव कर सकती है, इसकी वजह से मार्केट में गिरावट आई। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये सिर्फ अफवाह है। 90 के दशक में भारत का शेयर बाजार हर्षद मेहता द्वारा किए गए घोटाले से हिल गया था। हर्षद मेहता, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक सामान्य स्टॉक ब्रोकर था, जिसने देश की बैंकिंग व्यवस्था में खामियों का फायदा उठाकर स्टॉक मार्केट में धांधली की। हर्षद मेहता ने चुनिंदा शेयरों की कीमत को फर्जी तरीके से बढ़ा दिया। हर्षद मेहता ने इसके लिए सरकारी बैंकों से हुंडी पर पैसा उठाया और उसे शेयरों की कीमत बढ़ाने में इस्तेमाल किया। जिससे लोगों में इन शेयरों की खरीदने की होड़ मच गई और इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भारी वृद्धि हुई। बाद में जब धांधली का खुलासा हुआ तो निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस घोटाले के बाद ही सेबी का गठन हुआ। हर्षद मेहता घोटाले के करीब दस साल बाद केतन पारेख पर भी ऐसा ही घोटाला करने के आरोप लगे।

दुनिया के दिग्गज निवेशक बफे ने भारत में दिखाई दिलचस्पी, कहा- वहां अवसरों की भरमार

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे आजकल काफी चर्चा में हैं। उनकी कंपनी ने इस तिमाही में जबरदस्त कमाई की है। करीब 92,719 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। इस बीच, बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन भारत को लेकर काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने रविवार को कंपनी के शेयरधारकों के साथ सालाना बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में काफी अवसर हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी कंपनी बर्कशायर भारत में अवसरों की तलाश कर रही है। इस पर बफे ने कहा कि भारत में ऐसे अवसर और क्षेत्र हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया है।

भारत के बारे में कही यह बात

वॉरेन बफे ने भारत में निवेश को लेकर भी अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया कि क्या उनकी भविष्य में भारत में भी निवेश करने की संभावना है इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में अवसरों की भरमार है। सवाल यह है कि क्या हमें उन कारोबारों या संपर्कों के बारे में जानकारी मिलने से कोई फायदा है जिससे कुछ ऐसे लेनदेन संभव हो

सकें जिनमें भारत के प्रतिभागी विशेष रूप से हमारी भागीदारी चाहते हों।

उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि यह कुछ ऐसा है जिससे कंपनी को और अधिक ऊर्जावान बनाएगा। अब हमें दुनियाभर में जाना जाता है।हमारा जापान के साथ भी अनुभव काफी आकर्षक रहा है। इसी तरह भारत में कुछ ऐसे क्षेत्र और अवसर हो सकते हैं, जिनके बारे में जानकारी न हो।

जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट

बफे से जब पूछा गया कि उन्होंने जापान की कंपनियों में जो निवेश किया है, वे उसे अब कैसे देखते हैं इस बारे में बफे ने कहा कि वह जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट हैं। बफे ने पिछले साल जापान की चार कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी। इनमें मारुबेनी, मित्सुई, मित्सुबिशी और सुमितोमो प्रमुख हैं। बफे चीन की कंपनियों में भी निवेश कर चुके हैं। साल 2008 में उन्होंने चीन की ऑटोमोबाइल कंपनी बीवाईडी में निवेश किया था। बफे ने अब इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है।

अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा

भारत में प्रवेश करने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि वहां मौजूद अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि बर्कशायर का नया प्रबंधन भारत में निवेश पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा की देखना होगा कि आने वाले समय में कंपनी कैसा काम करती है। अच्छी बात यह है कि अब इंतजार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। आईएमएफ ने 2024 के लिए भारत के विकास अनुमानों को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया।

रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

कुछ इस तरह सेट करें मंथली बजट

हर व्यक्ति अपनी पसंद व स्किल्स के अनुसार ही काम का चयन करता है और इसलिए हर किसी का काम व इनकम अलग होती है। जहां कुछ लोग 9 से 5 की जॉब करते हैं और उनकी फिक्स सैलरी होती है। वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो किसी जॉब में नहीं होती। बल्कि उनका काम कुछ ऐसा होता है कि उनकी इनकम ऊपर-नीचे होती रहती है। मसलन, अगर आपका अपना कोई काम है, तो आप महीने में होने वाली आमदनी को सुनिश्चित नहीं कर सकते। इसी तरह, अगर आप बतौर फ्रीलासंर फुल टाइम वर्क करते हैं, तो आपकी आमदनी आपको मिलने वाले प्रोजेक्ट्स पर निर्भर करेगी।

इस तरह के कामों में आमदनी कभी बहुत अधिक तो कभी बहुत ही कम होती है। इस तरह सैलरी फिक्स ना होने का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि आपके लिए घर का खर्च उठाना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है। चूंकि, आपकी आमदनी फिक्स नहीं है तो उसके अनुसार आप अपनी सैलरी को सही तरह से मैनेज नहीं कर सकती हैं। अगर ऐसा है, तो ऐसे में आप अपना मंथली बजट सेट करने के लिए इन आसान टिप्स की मदद लें

अनुमानित आय का करे आकलन

यह सच है कि आपकी कोई फिक्स इनकम नहीं है, लेकिन फिर भी आप खुद को मिलने वाले काम के अनुसार अपनी आय का एक अनुमान तो लगा ही सकती हैं। अगर आपकी आय ऊपर-नीचे होती भी होगी, तो उसमें पांच-दस हजार का अंतर आता होगा। इसलिए, आप पिछले एक वर्ष की आय का अंदाजा लगाते हुए यह जानने का प्रयास करें कि आपकी महीने में लगभग कितनी इनकम होती है। जब आप अपनी आय का आकलन करेंगी, तभी आप बजट सेट कर सकती हैं।

जरूरी खर्चों की बनाएं लिस्ट

अब वक्त है जरूरी खर्चों की लिस्ट तैयार करने का। मसलन, बच्चों की फीस से लेकर ईएमआई, घर का किराया व बिजली बिल आदि जरूरी खर्चों की एक लिस्ट तैयार करें। इससे आपके लिए यह समझना आसान हो जाएगा कि वास्तव में कितने खर्चे ऐसे हैं, जो आपको हर महीने करने ही होंगे और उसके अनुसार आपकी इनकम कितनी है।

निकालें सेविंग्स का एक हिस्सा

जब आप जरूरी खर्चों व इनकम के बीच के अंतर के बारे में जान जाते हैं, तो आपको बची हुई इनकम का एक हिस्सा सेविंग्स के लिए निकालना होगा। आपके द्वारा की गई सेविंग्स आपकी इनकम के आधार पर कम या ज्यादा हो सकती है। लेकिन आप सेविंग की आदत को कभी भी ना छोड़ें। चूंकि आपकी इनकम कभी भी एक जैसी नहीं रहती है और इसलिए आपके लिए सेविंग्स करना बेहद आवश्यक हो जाता है।

बनाएं इमरजेंसी मनी बैंक

यह इमरजेंसी मनी बैंक उस वक्त के लिए बनाना आपके लिए आवश्यक है, जब आपकी इनकम बहुत कम हो जाती है और आपके लिए अपनी आय से जरूरी खर्चों को कर पाना भी काफी मुश्किल हो जाता है। उस वक्त यह इमरजेंसी मनी बैंक काम आता है। अगर इस वक्त आपका काम अच्छा चल रहा है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि आप बेफिजूल खर्चों में पैसों को बर्बाद कर दें। आपको अपना मंथली बजट यूं सेट करना चाहिए कि आप अपनी इनकम का एक हिस्सा एंटरटेनमेंट के लिए तो एक हिस्सा इमरजेंसी मनी बैंक के लिए रखें। यह छोटा सा मनी बैंक आप खुद घर में ही बना सकते हैं या फिर ऐसे किसी स्कीम में इनवेस्ट कर सकते हैं, जहां पर आपके पैसे धीरे-धीरे कुछ हद तक बढ़ते रहे और जब भी आपको उसकी जरूरत हो, आप उसे निकाल सकें।

ऐप की लें मदद

यह मंथली बजट बनाने का सबसे आसान लेकिन प्रभावी तरीका है। आजकल ऐसे कई ऐप हैं, जिन्हें आप अपने फोन में इंस्टॉल कर सकते हैं। इसके बाद, आप उसमें हर माह की आय लिख सकती हैं और मंथली बजट लिमिट एड कर सकती हैं। उसके बाद आप हर दिन होने वाले खर्चों को उसमें एड करती जाएं। इससे आपको यह समझ में आएगा कि आप सबसे अधिक खर्चा कहां कर रही हैं और क्या आप अपने मंथली बजट के अनुसार खर्चे कर रही हैं। इस तरह आपके लिए बजट में रहना आसान होगा और अपनी आय व खर्चों को ट्रैक करने में भी आपको मदद मिलेगी।

घर-परिवार की जरूरतों और भविष्य को देखते हुए बचत बहुत जरूरी

महिलाएं चाहती हैं कि घर परिवार में संपन्नता रहे, परिवार के सदस्यों को रुपये-पैसे की कमी ना आए, इसके लिए महिलाएं अपनी खर्चों में भी काफी कटौती करती हैं। इसके बावजूद अक्सर ऐसा होता है कि महीने के आखिर तक आते-आते पैसे खत्म हो जाते हैं और सेविंग्स भी नहीं हो पातीं। घर-परिवार की इमरजेंसी की जरूरतों और भविष्य को देखते हुए महिलाओं के लिए बचत करना बहुत जरूरी है।

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके खर्च बहुत ज्यादा हैं और इसी वजह से आपकी सेविंग्स नहीं हो पातीं, तो आपको नए नजरिए से सोचने की जरूरत है। आपकी आमदनी चाहें भले ही कम क्यों ना हो, अगर आप घर का बजट सही तरीके से बनाएं, तो आप थोड़ी-थोड़ी सेविंग्स करके भी बड़ी बचत कर सकती हैं। आइए जानते हैं महीने का बजट बनाने के कुछ ऐसे तरीके, जिनसे आपका घर का फाइनेंस अच्छे तरीके से मैनेज होगा, जरूरी खर्चों के लिए पैसे रहेंगे और आप सेविंग्स करने में भी कामयाब होगीं।

- बजट बनाने में सबसे पहले अपने बड़े और जरूरी खर्चों की लिस्ट बना लें, जैसे मकान का किराया, बिजली का बिल, बच्चों की स्कूल फीस, ट्यूशन फीस, घर का राशन, होम लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड का बकाया आदि।
- बजट बनाने में खाने-पीने की चीजों पर कटौती नहीं करें। अगर आप अनाज जैसे कि दाल, गेंहू, चावल, मसाले आदि थोक की दुकान से खरीदेंगी तो पैसे की बचत के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी का सामान भी खरीद सकती हैं। मुमकिन हो तो सुपर मार्केट के बजाय लोकल मार्केट से ही अच्छा सामान खोजने की कोशिश करें। साथ ही मॉल में छोड़े-बड़े सामान पर मिलने वाले ऑफर और सेल का भी आप फायदा उठा सकती हैं।
- घर का बजट बनाते हुए उसमें अपने, अपने परिवार के बड़ों और बच्चों के खर्च जरूर शामिल करें। आप चाहें तो उनसे इस बारे में एक बार बात भी करें और उसी के आधार पर सबके लिए बजट निर्धारित कर लें।
- बिजली और गैस का यूज जरूरत के हिसाब से करें। ऐसा इसलिए क्योंकि छोटी-छोटी बचत भी आपके लिए अच्छी सेविंग्स का साधन बन सकती हैं, बजट को और मजबूत बना सकती हैं।
- बजट बनाते समय अपनी इनकम और खर्च का रिकार्ड साथ में रखें, क्योंकि इसी के आधार पर आप सेविंग्स के लिए अपना टार्गेट सेट कर सकती हैं और एक अच्छा बजट बना सकती हैं। इसके लिये एक निर्धारित फॉर्मेट बना लें और उस पर अपनी इनकम और होने वाले खर्चों को उसमें जोड़ते जाएं।
- अपनी पसंद वाली छोटी और बड़ी चीजों की एक लिस्ट अलग से बनायें, जिन चीजों की जरूरत ज्यादा है, उन्हें प्रायोरिटी पर रखें। कभी-कभी मजे-मजे में अनावश्यक फिजूलखर्ची भी हो जाती है और इससे बाद में परेशानी होती है। इसे देखते हुए जब भी पार्टी करने जाएं या आउटिंग पर जाएं तो उसके लिए अपने खर्च की लिमिट पहले से ही सोच लें।
- बजट को बोझ समझकर मन छोटा ना करें। शुरूआत में आपको इससे प्रेशर फील हो सकती है, लेकिन इससे होने वाली बचत से आपको बाद में बड़े फायदे हो सकते हैं।
- बजट बनाने से आप अपने खर्चों पर असरदार तरीके से काबू रख सकती हैं और फाइनेंशियली मजबूत हो सकती हैं।
- बजट बनाते हुए अलग-अलग खर्चों के लिए अलग लिफाफे रखें, ताकि फाइनेंस के मामले में आप पूरी तरह से ऑर्गनाइज रहें। इससे आपको महीनेभर खर्च की चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- इमरजेंसी की जरूरतों के लिए एक लिफाफा अलग से बनाएं और इसमें भी कुछ रुपये अलग से रखें, क्योंकि इमरजेंसी सिचुएशन कभी भी आ सकती है और इससे आपका महीने का बजट पूरी तरह से बिगड़ सकती है।

शादी के बाद आ रही है मायके की याद तो अपनाएं ये उपाय

शादी के बाद लड़की की जिन्दगी काफी हद तक बदल जाती है। वह अपने पति के साथ सात फेरे लेने के बाद उन्हीं के घर में रहने लग जाती है। यह एक ऐसा दौर होता है, जब एक स्त्री को नए रिश्तों और नए परिवार के साथ तालमेल बिठाना होता है। हालांकि, पूरी तरह से नए व अनजान लोगों के बीच अक्सर लड़की को अपने माता-पिता, भाई-बहन व घर की याद सताती है। शादी के शुरूआती दिनों में अक्सर लड़कियां होम सिक फील करती हैं और ऐसे में वह बार-बार अपने मायके जाने की इच्छा रखती हैं। हालांकि, हर दिन ऐसा करना संभव नहीं है। तो ऐसे में अब आपको कुछ ऐसे तरीके अपनाने की जरूरत है, जिसके कारण आपको अपने मायके की याद कम से कम आए और आपके लिए अपने नए घर में मन लगाना अधिक आसान हो जाए।

वीडियो कॉल पर करें बात

हो सकता है कि शादी के शुरूआती दिनों में आपका बार-बार मायके जाना शायद आपके ससुराल पक्ष के लोगों को पसंद ना आए। चूंकि, अब आपको हर किसी की खुशी का ख्याल रखना होता है, तो ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप वीडियो कॉल पर अपनी फैमिली से बात करें। जब आप उनसे वीडियो कॉल पर बात करेंगी तो आपको ऐसा लगेगा कि वह आपके साथ ही हैं। इससे आपके लिए उनकी याद कम सताएगी।

मंगवाए फेवरिट फूड

हम सभी को अपनी मम्मी के हाथों का बना कोई ना कोई फूड आइटम खाना बेहद पसंद होता है। मसलन, मां के हाथ के लड्डू या नमकपारों का स्वाद अगर आपको हमेशा से ही अच्छा लगता है, तो आप मम्मी से कह सकती हैं कि वह आपके लिए इसे बनाकर भेजें। जब वह आपकी फेवरिट आइटम आपको भिजवाएंगी तो आप ससुराल में होते हुए भी उनकी या उनके खाने को मिस नहीं करेंगी। इस तरह आप उनसे दूर होते हुए भी उनके साथ को महसूस कर पाएंगी।

ना रहें अकेली

यह देखने में आता है कि शादी के बाद शुरूआती दिनों में विवाहित स्त्री अपना अधिकतर समय अपने कमरे में ही बिताती है। चूंकि इस समय पर उस पर घर की बहुत अधिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं और वहीं वह नए लोगों के साथ बहुत अधिक कंफर्टेबल नहीं होती है, इसलिए वह कमरे में रहना ही अधिक पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप ऐसा करती हैं, तो इससे आपको अपने मायके की याद और भी अधिक सताएगी। इसलिए कोशिश करें कि आप कमरे में अकेले रहने के स्थान पर अपने ससुराल पक्ष के लोग जैसे सास या ननद के साथ अधिक से अधिक वक्त बिताने की कोशिश करें जब आप ऐसा करती हैं, तो आपको नए लोगों के साथ तालमेल बिठाने में आसानी होती है और उनके साथ रिश्ते मजबूत होते हैं। जब ऐसा होता है, तो आपको मायके की याद कम सताती है।

मिल आएं कुछ देर

अगर आपका मायका पास में ही है और आपके लिए एक-दो घंटे के लिए वहां जाना संभव है, तो ऐसे में आप अपने पति के साथ मायके में कुछ देर के लिए जा सकती है। अपनों से मिलने की खुशी कुछ और ही होती है। भले ही आप उनसे एक घंटे के लिए मिलने जाएंगी, लेकिन परिवार के हर सदस्य को देखकर और उनके साथ वक्त बिताकर आपको काफी अच्छा लगेगा।

टी20 विश्व कप पर आतंकी हमले का खतरा, आईसीसी और मेजबान देश अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के तुरंत बाद यूएसए और वेस्टइंडीज में 1 जून से टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। हालांकि, इस बीच टूर्नामेंट पर आतंकी हमले का साया आ गया है। वर्ल्ड कप के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं, लेकिन इस बीच आतंकी साजिश की खबर जो सामने निकल कर आई है उसने सबकी टेंशन बढ़ा दी है।

हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि वह टी20 विश्व कप के मेजबान देश- वेस्टइंडीज और यूएसए के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस मेगा-इवेंट पर आतंकी खतरे से निपटने के लिए पुख्ता तैयारी हो। पुरुषों का टी20 विश्व कप 1-29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाला है। कैरेबियाई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को उत्तरी पाकिस्तान से वर्ल्ड कप मैचों के दौरान आतंकी हमले का अलर्ट प्राप्त हुआ है।

पुरुष टी20 विश्व कप पर आतंकी खतरे के बारे में पूछे जाने पर आईसीसी के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, आईसीसी उचित योजनाएं सुनिश्चित करने के लिए मेजबान देशों के साथ मिलकर काम कर रही है। रिपोर्ट सामने आते ही हमने तुरंत अधिकारियों से बात की और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सभी को आश्वासन दिया है कि किसी भी जोखिम से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा योजना बनाई गई है। त्रिनिदाद के स्थानीय डेली एक्सप्रेस अखबार ने पीएम प्रधानमंत्री डॉ. कीथ रोवले के हवाले से लिखा, सुरक्षा एजेंसियां विश्व कप पर खतरे से निपटने के लिए काम कर रही हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि 21वीं सदी में भी दुनिया में आतंकवाद का खतरा अलग-अलग रूपों में बना हुआ है। हालांकि, इन खतरों को कम करने के लिए, हम स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर हर खतरों के प्रति सतर्क रहे हैं और हमारी खुफिया और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरे टूर्नामेंट के दौरान देशों और स्थानों पर सबकी सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।

वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के मैच एंटीगा एंड बारबुडा, बारबाडोस, गुयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के अलावा त्रिनिदाद एंड टोबैगो में होंगे। अमेरिका के फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और डलास में भी मैच निर्धारित है, लेकिन वहां इन खेलों पर किसी खतरे का कोई संकेत नहीं है। सेमीफाइनल मुकाबले त्रिनिदाद और गुयाना में खेले जाएंगे, वहीं फाइनल बारबाडोस में खेला जाना है। दुनिया की टॉप- 20 टीमों को पांच-पांच के चार समूहों में बांटा जाएगा।

प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर आठ के दो समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए आगे बढ़ेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 26 और 27 जून को त्रिनिदाद और गुयाना में खेले जाएंगे, वहीं फाइनल 29 जून को बारबाडोस में खेला जाना है।सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व दिन रखे गए हैं।

पेरिस ओलंम्पिक

पेरिस में गेम्स विलेज में नहीं होटल में ठहरेंगे गोल्फर, थकान से बचाने के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय गोल्फर गेम्स विलेज में नहीं बल्कि कोर्स के नजदीक होटल में ठहराए जाएंगे। होटल से कोर्स की दूरी आठ से 10 की मिनट की है।

टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूकने वाली गोल्फर अदिति अशोक के 40 किलोमीटर के थकावट भरे सफर को ध्यान में रख इस बार पेरिस में गोल्फरों को कोर्स के नजदीक ठहराया जा रहा है। भारतीय गोल्फर गेम्स विलेज में नहीं बल्कि कोर्स के नजदीक होटल में ठहराए जाएंगे। होटल से कोर्स की दूरी आठ से 10 की मिनट की है। टोक्यों में अदिति को गेम्स विलेज से कोर्स पहुंचने में डेढ़ घंटा लगता था। उन्हें कोर्स जाने के लिए तड़के तीन-साढ़े तीन बजे उठना पड़ता था। तब वह सात बजे शुरू होने वाले मुकाबले में पहुंच पाती थीं। इस बार भी पेरिस में कोर्स गेम्स विलेज से 40 किलोमीटर दूर है। अदिति अशोक और दीक्षा डागर का पेरिस में खेलना तय है, जबकि शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर क्वालिफाई करने की दौड़ में हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह के अनुसार टोक्यो के अनुभव को ध्यान में रखते हुए गोल्फर होटल में ठहराए जा रहे हैं।

मैड्रिड ओपन

स्वियातेक ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इगा स्वियातेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। इगा स्वियातेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की स्वियातेक ने दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका को तीन सेट तक चले फाइनल में 7-5, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र का अपना तीसरा खिताब जीता। स्वियातेक 2012 में कैरोलिन वोजनियाकी के बाद 20 खिताब के आंकड़े को छूने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी हैं। स्वियातेक तीसरे सेट में जब 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं थी तो उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए। उन्होंने टाईब्रेक में तीसरा मैच प्वाइंट बचाया और फिर सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

रियल मैड्रिड ने जीता रिकॉर्ड 36वां ला लीगा खिताब, केडिज को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। रियल मैड्रिड ने यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा का खिताब जीत लिया।

मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब अपने नाम किया। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सिलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बार्सिलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

इस बच्चे ने एक ओवर में 6 छक्के मारे... जब राहुल द्रविड़ से श्रीसंत के झूठ ने बदली संजू सैमसन की किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर संजू सैमसन ने अपने आईपीएल सफल सफर के एक छिपे हुए अध्याय का खुलासा करते हुए बताया कि कैसे राहुल द्रविड़ से बोले गए एक झूठ ने उनकी किस्मत बदल दी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी सैमसन ने खुलासा किया कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत और उस समय रॉयल्स के कप्तान द्रविड़ के बीच एक बातचीत से उनके लिए बड़ा मंच तैयार किया। दरअसल, वह श्रीसंत थे, जिन्होंने राहुल द्रविड़ से कहा था कि इस लड़के ने मुझे एक ओवर में 6 छक्के मारे।

कोलकाता नाइटराइडर्स ने साइन किया, लेकिन बेंच पर बिठाए रखा

सैमसन ने 2009 में कोलकाता नाइटराइडर्स के होनहार खिलाड़ियों में से एक के रूप में आईपीएल में प्रवेश किया। तीन साल के इंतजार के बाद केकेआर ने 2012 के पहले सैमसन को साइन किया। हालांकि, बेंचों पर बैठे रहने के बाद उसी साल अपना पहला खिताब जीतने के बाद फ्रेंचाइजी ने सैमसन को बिना आजमाए ही रिलीज कर दिया। यह वही समय था जब सैमसन को अपनी योग्यता साबित करने की जरूरत थी।

आरआर से मैच में श्रीसंत ने संजू को राहुल द्रविड़ के सामने बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया

एक वायरल वीडियो में सैमसन ने कहते दिख रहे हैं- केकेआर के साथ होने के कारण मुझे कोई मौका नहीं मिल रहा था। लेकिन आरआर के खिलाफ मैच के दौरान जब राहुल द्रविड़ उनकी कप्तानी कर रहे थे तो श्रीसंत ने उन्हें होटल लॉबी में देखा और मेरी मदद की। उन्होंने उनसे कहा- केरल का एक लड़का है, जिसने मुझे स्थानीय टूर्नामेंट में एक ओवर में छह छक्के लगाए हैं। हमें निश्चित रूप से उसे एक ट्रायल देना चाहिए।

श्रीसंत की ओर से बोला गया यह झूट सैमसन के लिए गेम चेंजर साबित हुआ। रॉयल्स ने उन्हें चुना और 2013 में अपने डेब्यू के बाद से ही वे उनकी टीम में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गए हैं। एक होनहार बल्लेबाज से लेकर फ्रेंचाइजी का पोस्टर बॉय बनने और अब इसके कप्तान बनने तक सैमसन ने सब कुछ देखा है। सैमसन की कहानी की पुष्टि तब हुई जब श्रीसंत ने स्वीकार किया कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को आरआर सेट-अप में लाने के लिए उन्होंने झूठ का सहारा लिया।

श्रीसंत ने भी किया था खुलासा

पिछले सितंबर में एक बातचीत में भारत के लिए दो बार विश्व कप जीतने वाले श्रीसंत ने मजाकिया अंदाज में खुलासा किया कि भले ही द्रविड़ ने उनके झूठ को पहले ही पकड़ लिया था, लेकिन द वॉल को यह समझने में देर नहीं लगी कि सैमसन कितने शानदार टैलेंट हैं। उन्होंने कहा- जब मैंने राहुल भाई को संजू से मिलवाया तो उन्होंने मेरी बात सुनी।

मैंने उनसे झूठ बोला। मैंने कहा- इस लड़के ने स्थानीय टूर्नामेंट में मुझे छह छक्के मारे थे। राहुल भाई ने कहा- श्री, कुछ भी बोल, ये क्यों बोल रहा है? (कुछ भी बोलो, लेकिन तुम इस तरह झूठ क्यों बोल रहे हो)। श्री ने आगे बताया- कुछ अभ्यास मैचों में उसने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। लेकिन जब राहुल भाई ने उसे बल्लेबाजी करते देखा, तो वह आश्वस्त हो गए। वह मेरे पास आए और कहा- श्री, इस संजू को किसी और जगह मत जाने दो, हम उसे अनुबंधित कर रहे हैं। उसे मैच मिलेंगे या नहीं, मुझे नहीं पता, लेकिन हम उसे अनुबंधित करना चाहेंगे।

आईपीएलः 2024

नरेन ने लखनऊ में हासिल की खास उपलब्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हरफनमौला खिलाड़ी सुनील नरेन का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में शानदार सफर जारी है। सुनील नरेन आईपीएल के इतिहास में 1500 से अधिक रन और 150 विकेट का दोहरा प्रदर्शन करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। सुनील नरेन ने यह उपलब्धि 5 मई 2024 को लखनऊ स्थित इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ हासिल की। सुनील नरेन ने मैच में 39 गेंद में 6 चौकों और सात छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। उनके रन 207.69 की स्ट्राइक रेट से आए। अपने आईपीएल करियर में नरेन ने 166.33 के स्ट्राइक रेट के साथ 17.32 की औसत से 1,507 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन है।

सुनील नरेन आईपीएल के 5वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर

सुनील नरेन का यह आईपीएल 2024 का भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह 173 मैच मे 176 विकेट के साथ लीग के इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। इस सीजन सुनील नरेन ने 41.90 के औसत और 183.66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

सुनील से पहले जडेजा और ब्रावो ने हासिल की यह खास उपलब्धि

सीएसके के रविंद्र जडेजा और ड्वेन ब्रावो अन्य दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने यह डबल हासिल किया है। रविंद्र जडेजा ने 27.30 के औसत और 129.08 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों के साथ 2,894 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 62 रन है। उन्होंने 237 मैच में 29.81 की औसत से 160 विकेट लिए हैं। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/16 का है। ड्वेन ब्रावो अब संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने अपने आईपीएल करियर के दौरान 161 मैच में 22.60 की औसत और 129.56 की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 1,560 रन भी बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 70 रन है। उन्होंने 4/22 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े के साथ 183 विकेट भी लिए। ड्वेन ब्रावो आईपीएल के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सुनील नरेन ने इस आईपीएल में स्पिन के खिलाफ सिर्फ 63 गेंद में 25.00 के औसत से 125 रन बनाए हैं। हालांकि, इस दौरान वह पांच बार आउट भी हुए। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 198.4 है और उन्होंने उनके खिलाफ आठ चौके और 11 छक्के लगाए हैं।

लखनऊ में 98 रन से जीती कोलकाता की टीम

लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच की बात करें तो एलएसजी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। सुनील नरेन के 81 रन, फिल साल्ट (14 गेंद, 32 रन,5 चौके, 1 छक्का), अंगकृष रघुवंशी (26 गेंद, 32 रन, 3 चौके, 1 छक्का) और रमनदीप सिंह (नाबाद 25 रन, 6 गेंद, 1 चौका, 3 छक्के) की ठोस पारियों के दम पर केकेआर ने 20 ओवर में 235/6 का स्कोर किया।

लखनऊ की ओर से नवीन-उल-हक (3/49) ने शानदार गेंदबाजी की। यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और युद्धवीर सिंह को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स 16.1 ओवर में 137 रन ही बना पाई। उसकी ओर से केएल राहुल (25), मार्कस स्टोइनिस (36), निकोलस पूरन (10), आयुष बदोनी (15), एश्टन टर्नर (16) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। हर्षित राणा ने 3.1 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए।

अदिति राव हैदरी ने भंसाली के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस सीरीज को लेकर दर्शक शुरुआत से ही उत्साहित हैं। हीरामंडी एक मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। एक तरफ सीरीज को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर इसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। फिल्म की मुख्य अभिनेत्रियों में से एक अदिति राव हैदरी ने हाल ही में हीरामंडी में संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है। अदिति राव हैदरी ने हाल ही में बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय लीला भंसाली ने उन्हें कई बार डांटा था। यहां तक की भावनात्मक सीन के समय उन्हें लंच ब्रेक भी नहीं दिया था।

अरनमनई 4 में तमन्ना के अभिनय के मुरीद हुए विजय वर्मा

तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की फिल्म अरनमनई 4 दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। फिल्म में तमन्ना के अभिनय को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय वर्मा ने दिल खोलकर तारीफ की है। हॉरर कॉमेडी फिल्म अरनमनई 4 3 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना ने अहम भूमिका निभाई है। रिलीज के बाद से ही फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। पहले दिन 4.65 करोड़ की कमाई से खाता खोलने वाली इस मूवी ने दूसरे दिन इससे भी ज्यादा नंबर्स में कमाई की। अरनमनई 4 ने दूसरे दिन 6.25 करोड़ का बिजनेस किया है। इससे फिल्म का टोटल कलेक्शन 10.90 करोड़ का हुआ है। यह फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म में राशी खन्ना और तमन्ना भाटिया के लाजवाब अभिनय के सभी लोग कायल हो गए हैं। अब इस फिल्म में तमन्ना के अभिनय को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है।

विजय वर्मा का स्पेशल पोस्ट

तमन्ना भाटिया की फिल्म अरनमनई 4 को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड और अभिनेता विजय वर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस पोस्ट में विजय ने तमन्ना की एक्टिंग के तारीफों के पुल बांध दिए हैं। विजय ने अरनमनई 4 का एक स्क्रीशॉट लगाया है साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, शानदार प्रतिक्रिया मिलने के लिए बहुत बधाई... यूं ही काम करते रहो... अरनमनई 4।

कंगना ने अमिताभ बच्चन से की अपनी तुलना तो उड़ा मजाक

कंगना रनौत जब से राजनीति में उतरी हैं, तब से वह लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा प्रत्याशी कंगना रनौत इन दिनों जमकर कैंपेन कर रही हैं। उनके भाषण लगातार चर्चा में हैं। हाल ही मंडी में एक भाषण के दौरान कंगना रनौत ने अपनी तुलना सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से कर दी। कंगना ने कुछ ऐसा कर दिया कि वह ट्विटर पर ट्रेंड होने लगी हैं और यूजर्स भी उनकी खिंचाई कर रहे हैं। कंगना का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में अगर अमिताभ बच्चन के बाद किसी को सबसे अधिक प्यार और सम्मान मिलता है, तो वह उन्हें मिलता है। वीडियो में कंगना रनौत कह रही हैं, सारा देश परेशान है, कि वो कंगना, चाहे राजस्थान चली जाऊं, चाहे मैं पश्चिम बंगाल चली जाऊं, चाहे मैं दिल्ली चली जाऊं, चाहे मैं मणिपुर चली जाऊं...ऐसा लगता है कि मानो इतना प्यार और इतना सम्मान...मैं दावे से कह सकती हूं कि इतना प्यार और इतना सम्मान अमिताभ बच्चन जी के बाद आज किसी को इंडस्ट्री में मिलता है, तो वो मुझे मिलता है।

एनिमल स्टार बॉबी देओल तीन शादियों पर बोले...

बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल शनिवार रात को द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए एपिसोड में अपने बड़े भाई सनी देओल के साथ बतौर मेहमान शामिल हुए थे। इस एपिसोड में वे अपनी फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी और अपनी प्यारी पत्नी तान्या देओल के बारे में बातें करते दिखाई दिए। आइए आपको बताते हैं बॉबी देओल ने अपनी पत्नी और अपनी शादी के बारे में क्या कुछ कहा - द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए एपिसोड में बॉबी देओल और उनके भाई सनी देओल ने अपनी मजेदार बातों से दर्शकों के दिलों को लुटते दिखाई दिए। कपिल शर्मा के साथ बॉबी देओल खुलकर बातें करते नजर आए। कपिल ने बॉबी देओल से कहा कि उनके कुछ फैंस ने उनसे कुछ सवाल पूछे हैं। कपिल शर्मा हंसते हुए बॉबी देओल से कहते हैं, बॉबी भाई आपसे आपके फैंस ने पूछा है कि एनिमल में आपने तीन शादियां की हैं। वे भी तीन शादी करना चाहते हैं। उन्हें क्या करना चाहिए।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 07 मई, 2024

संक्षिप्त समाचार

हम पर अपनों ने ही खंजर से हमला किया; दिल्ली में कलह से जूझ रही कांग्रेस ने फिर दिखाई एकजुटता

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रविवार को आयोजित पदग्रहण समारोह के साथ कार्यभार संभाल लिया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के जरिये पार्टी ने एकजुटता का संदेश दिया। इसमें दिल्ली के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन शुरू होने से ठीक एक दिन पहले दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से पार्टी बिखरी हुई नजर आ रही थी। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा लवली व कुछ अन्य नेताओं के जाने से हुए नुकसान की भरपाई की लगातार कोशिश की जा रही है। इस क्रम में पार्टी के भरोसेमंद नेता देवेंद्र यादव को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने लवली का नाम नहीं लेते हुए कहा कि हमारे ऊपर अपनों ने ही खंजर से हमला किया है। हमें एकजुट होकर विचारधारा की लड़ाई लड़नी होगी। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा कि देवेंद्र यादव दिल्ली देहात से दूसरे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। इससे पहले दिल्ली देहात से आने वाले ब्रह्म प्रकाश कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद संदीप दीक्षित जैसे नेता भी मौजूद रहे, जिन्हें असंतुष्ट बताया जा रहा था। संदीप दीक्षित ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। इस दौरान चांदनी चौक सीट से पार्टी प्रत्याशी जयप्रकाश अग्रवाल, कन्हैया कुमार, रमेश कुमार, कृष्णा तीरथ, हारून यूसुफ, पूर्व अध्यक्ष अनिल चौधरी समेत तमाम नेता मौजूद रहे। इस मौके पर देवेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस कठिन समय में हमें एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासन के चलते आज संविधान खतरे में है और हमें संविधान बचाने के लिए लड़ाई लड़नी होगी। हमें मिलकर काम करना होगा और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को विजयी बनाना होगा।

राजकुमार आनंद ने बसपा का दामन थामने के साथ किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके और आम आदमी पार्टी को अलविदा कहने वाले राजकुमार आनंद रविवार को क्क्स्क में शामिल हो गए। उनके भाजपा में जाने की अटकलें लग रही थीं। अब उन्होंने मायावती के नेतृत्व वाली बसपा का दामन थाम लिया है। बसपा जॉइन करने के साथ ही आम आदमी पार्टी के विधायक एवं दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद ने एक और बड़ी घोषणा कर दी है। उन्होंने ऐलान किया है कि वह नई दिल्ली से लोकसभा का चुनाव भी लड़ेंगे। वह कल नामांकन दाखिल करने जाएंगे। राजकुमार आनंद ने कहा कि आज मुझे महसूस हो रहा है कि मैं अपनी पार्टी में आ गया हूं। 1985 से लेकर 1990 तक बहन जी और मान्यवर कांशीराम जी मेरी दुकान पर आया करते थे। दोनों मेरा मार्गदर्शन करते थे। इसके बाद केजरीवाल आए और उन्होंने कहा कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा। इसके बाद हम लोग उनके साथ हो लिए। हालांकि इससे पहले हम लोग बाम सेफ से ही जुड़े हुए थे। हमारा केजरीवाल के साथ जुड़ना बुरे सपने जैसा रहा। राजनीति तो नहीं बदली लेकिन हमले राजनेता बदलते हुए जरूर देखे। इस सीट से पहले बीएसपी ने सत्यप्रकाश गौतम को उम्मीदवार घोषित किया था। सत्यप्रकाश गौतम नामांकन भी दाखिल कर चुके थे।

दिल्ली में 10 नए फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड से रफ्तार बढ़ाने का प्लान, पीडब्ल्यूडी ने शुरू की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्लीवालों को जाम से राहत दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) राजधानी में 10 नए फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड और अंडरपास बनाने की योजना बना रहा है। जगहों को चिह्नित करने के साथ निर्माण कार्य में आने वाले अनुमानित खर्च का आंकलन किया जा चुका है। इन योजनाओं को अमल में लाने से पहले पीडब्ल्यूडी ने ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग से इन जगहों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों ने बताया कि इन 10 प्रोजेक्ट पर कुल 4 हजार करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। दिल्ली में जाम की समस्या से राहत के लिए ट्रैफिक पुलिस, पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग काम कर रहे हैं। बीते दिनों दिल्ली में 117 ऐसी जगह चिह्नित की गई थीं, जहां सबसे ज्यादा जाम रहता है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना भी लगातार जाम से निजात दिलाने के लिए विभिन्न विभागों को तालमेल के साथ

काम करने के निर्देश देते रहे हैं। पिछले कुछ समय में पीडब्ल्यूडी को अलग-अलग इलाकों से एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर और अंडरपास बनाने के 10 प्रस्ताव मिले, जिनसे जाम की समस्या खत्म होने की उम्मीद है। इस तरह के प्रस्ताव मंत्री कार्यालय, विधायक और यूटीपैक के माध्यम से मिले हैं। पीडब्ल्यूडी इन जगहों पर निर्माण करने से पहले उसकी आवश्यकता और इससे होने वाले समाधान का आकलन करना चाहता है। इसलिए ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग से ऐसी 10 जगहों पर यातायात से संबंधित जानकारी मांगी गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर ही यह तय किया जाएगा कि इनमें से कहां काम किया जाएगा और कहां कार्य नहीं होगा।

नोएडा में 19 नए स्थानों पर पार्किंग शुरू करने की तैयारी, अथॉरिटी ने फाइनल की जगह

नोएडा में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शहर में 19 नए पार्किंग स्थान चिन्हित किए गए हैं। अगले तीन से चार महीने में इन जगह सरफेस पार्किंग शुरू हो जाएगी। अभी तक शहर की सड़कों पर 58 स्थान पार्किंग के लिए चिन्हित हैं, जिनमें से करीब 35 जगह पार्किंग चल रही हैं। संख्या को देखते हुए पार्किंग की जरूरत बढ़ती जा रही है। पार्किंग नहीं होने कई स्थानों पर जाम की समस्या हो रही है। इसको देखते हुए कुछ महीने पहले नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने ट्रैफिक सेल को ऐसे स्थानों का सर्वे करने के निर्देश दिए थे। अब ट्रैफिक सेल ने सर्वे का काम पूरा कर लिया है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सर्वे पूरा कर रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। आचार संहिता समाप्त होते ही अगले महीने इन 19 स्थानों पर पार्किंग शुरू करने के लिए टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। ऐसे में उम्मीद है कि अगले तीन-चार महीने में पार्किंग शुरू हो जाएगी। पार्किंग चालू होने से संबंधित स्थानों पर लोगों को वाहन खड़े करने में आसानी होगी। पार्किंग शुल्क लगने से प्राधिकरण की आय में वृद्धि होगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि अभी शहर में 58 स्थान पार्किंग के लिए चिन्हित हैं।

दिल्ली में खौफनाक वारदात, सरेआम चाकू से रेता गला, मरने के बाद भी छलनी करते रहे लाश

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में रविवार शाम एक युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नाजिर इलियास उर्फ नन्ने के रूप में हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को नाजिर मृत हालत में मिला जहां से उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों ने खून के धब्बों इत्यादि समेत मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय लोगों से पूछताछ की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है। शुरुआती जांच में पुलिस ने आपसी रंजिश के चलते हत्या की आशंका जताई है। यह भी पता चला है कि नाजिर व उसके तीन भाई इलाके के घोषित बदमाश हैं। ऐसे में रंजिशन हत्या की आशंका और बढ़ जाती है। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ करते हुए मामले की हर कोण से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि नाजिर खुद अपने एक भाई की हत्या के मामले में गवाह भी था। मिली जानकारी के मुताबिक, नाजिर परिवार के साथ चौहान बांगर, अखाड़े वाली गली में रहता था। इसके परिवार में पांच भाइयों के अलावा अन्य सदस्य हैं। नाजिर के तीन भाई इलाके के घोषित बदमाश है। रविवार शाम करीब 06.45 बजे नाजिर स्कूटी से अपने घर से करीब 250 मीटर दूर स्थित मंगला अस्पताल वाली गली में पहुंचा था।

नोएडा में मॉल के पास चल रहा था धर्म बदलने का खेल, लड़कियां ही बनाती थीं शिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। बीटेक की छात्रा और उसकी चचेरी बहन को धर्मांतरण के लिए उकसाने के मामले में एक्सप्रेसवे पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार युवतियां भी शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां उसे उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि जितेंद्र बहादुर नाम के व्यक्ति ने एक्सप्रेसवे थाने में दी शिकायत में बताया कि वह वर्तमान में जेपी विशटाउन सोसाइटी में रहते हैं। उनकी बेटी बीटेक की पढ़ाई कर रही है। आरोप है कि जब शिकायतकर्ता की बेटी बस से उतरकर घर आती है तो गुलशन मॉल के पास इशु, रूथु समेत चार युवतियां और एक युवक उससे मिलते हैं। ये लोग उसे बाइबल पढ़ने के लिए बुलाते हैं, तथा उससे कहते हैं कि आप हमारे घर पर आओ।

पांचों ने शिकायतकर्ता के साले की बेटी के साथ भी इसी तरह की वारदात की है। पीड़ित ने आशंका व्यक्ति है कि ये लोग बाइबल पढ़ने के बहाने घर पर बुलाकर धर्म परिवर्तन कराने का रैकेट चलाते हैं। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने वाई वाई बोन, अभिरैना, ऋषभ नायर, रवि तेजा, ईशु और रूथु को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्त में आरोपियों में वह मकान मालिक भी शामिल है, जिसके यहां ये पांच रहते थे और लोगों को धार्मिक पुस्तक पढ़ने के लिए बुलाते थे। आरोप है कि इस तरह से धर्मांतरण कराने का प्रयास करने वाली कुछ महिलाएं और युवतियां आंध्र प्रदेश, केरल, कोलकाता और तमिलनाडु की रहने वाली हैं।

हैवान बना सौतेला पिता, 7 महीने की बच्ची को पटक कर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के नाथूपुर गांव के पास एक झुग्गी में सात महीने की एक बच्ची की उसके सौतेले पिता ने कथित तौर पर फर्श पर पटक कर हत्या कर दी। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि डीएलएफ फेज -3 पुलिस थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 30 वर्षीय विजय साहनी के रूप में की गई है, जो बिहार के सीतामढ़ी जिले का मूल निवासी है। घटना गुरुवार रात नाथूपुर पहाड़ी इलाके के पास एक झुग्गी बस्ती में हुई, जहां आरोपी की पत्नी उसके भाई और सात महीने की बच्ची के साथ रह रही थी।

इस घटना के बारे में विस्तार से बात करते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी ने वहां पहुंचकर अपनी पत्नी से झगड़ा शुरू कर दिया और सात महीने की सौतेली बेटी को फर्श पर पटक दिया।

आग को आतंकी हमला बता मचा दिया हड़कंप, डीटीयू के छात्र की शरारत से उड़े दिल्ली पुलिस के होश!

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में 1 मई को दो सौ से ज्यादा स्कूलों में बम की धमकी के मेल आने के बाद अभिभावकों के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ गई थी। हर तरफ अफरा-तफरी का आलम था। सड़कें जाम हो गई थीं। लोगों की इस परेशानी के बीच दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के बीटेक फाइनल ईयर के एक छात्र ने शरारत करते हुए अग्निकांड का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए डीटीयू में आतंकी हमला होने की बात लिख डाली। देखते ही देखते इंस्टाग्राम पर यह वीडियो ट्रेंड करने लगा। इसके बाद जब रोहिणी साइबर पुलिस की नजर इस वीडियो पर पड़ी तो पुलिस ने शनिवार को इसकी जांच शुरू कर दी। पुलिस ने वीडियो पोस्ट करने वाले छात्र की पहचान कर उससे पूछताछ की। हालांकि, बाद में छात्र को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया

कि 1 मई को दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में ईमेल से बम विस्फोट की धमकी मिली थी। हालांकि, दोपहर होते-होते यह साफ हो गया कि किसी ने जानबूझकर शरारत की थी। इस बीच शाहबाद डेयरी इलाके में डीटीयू से कुछ दूरी पर कबाड़ के ढेर में भीषण आग लग गई थी। इसकी वजह से पूरे इलाके में धुआं छा गया था। छात्र ने इस आग को देखकर डीटीयू परिसर में बैठकर कुछ इस तरह से वीडियो बनाया जैसे कि आग संस्थान में ही लगी हो। फिर छात्र ने वह वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड करते हुए लिखा कि स्कूल की जगह कॉलेज में अटैक हुआ। साथ ही डीटीयू के खात्मे की बात भी लिख डाली। रोहिणी साइबर पुलिस स्टेशन में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल बनाया गया है। सेल में तैनात साइबर विशेषज्ञ ने पोस्ट को देखा तो उसकी सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई। पुलिस ने इंस्टाग्राम से जानकारी हासिल कर छात्र की पहचान की। फिर डीटीयू प्रशासन को इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी और छात्र की काउंसलिंग की गई।

ऑस्ट्रेलियाई महिला सांसद के साथ सेक्शुअल हैरेसमेंट

नाइट आउट पर निकली थी, नशीला पदार्थ दिया गया

कैनबरा , एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया की महिला सांसद ब्रिटनी लाउगा के साथ सेक्शुअल हैरेसमेंट हुआ। घटना पिछले हफ्ते उस समय हुई, जब वह नाइट आउट पर थीं। यह जानकारी खुद सांसद ने दी। उन्होंने बताया- वो क्वींसलैंड शहर में घूमने गई थी, तभी किसी ने उनको नशीला पदार्थ दिया।

सांसद लोगों की शिकायत पर उस जगह गई थी। ब्रिटनी ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 28 अप्रैल को उन्हें अस्पताल टेस्ट के लिए ले जाया गया। सांसद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि ये घटना किसी के भी साथ हो सकती है।

अस्पताल की रिपोर्ट में उनके शरीर में नशीला पदार्थ मिला है। लेकिन, सांसद की माने तो वो उन्होंने ये पदार्थ कभी नहीं लिया। उनके मुताबिक, इससे पहले भी कई महिलाओं ने उनसे ठीक इसी प्रकार की बात कही थी। ब्रिटनी ने कहा कि इस सोसाइटी में महिलाओं को अपनी मर्जी से रहने का हक है वो भी बिना किसी नशीले पदार्थ के।

पुलिस ने अपनी जांच में बताया है कि अब तक उस इलाके से इस प्रकार की कोई भी घटना सामने नहीं आई है और न ही किसी ने कोई शिकायत दर्ज की। ब्रिटनी पहली बार 2015 में केपेल की सीट के लिए चुनी गई थी। क्वींसलैंड के पार्टी के लीडर स्टीवन माइल्स ने कहा कि सरकार ब्रिटनी का समर्थन कर रही है। साथ ही सरकार पूरी तरह से सांसद की मदद भी करेंगी। ऑस्ट्रेलिया में हाल के दिनों में महिलाओं पर हमले बढ़े हैं। पिछले महीने ही जोएल कुआची नाम के एक व्यक्ति ने सिडनी के एक शॉपिंग सेंटर में छह लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी, जिनमें पांच महिलाएं शामिल थीं।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी घरेलू हिंसा को 'राष्ट्रीय संकट' बताया था। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट में चल रहे महिला विरोधी सोच पर नकेल कसी जाएगी। साथ ही हमें संस्कृति को बदलने की जरूरत है, नजरिया बदलने की जरूरत है और कानूनी में बदलाव करने की भी।

अमेरिका में नहीं थम रहा फलस्तीन समर्थक आंदोलन, वर्जीनिया विवि में घुसी पुलिस

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में फलस्तीन समर्थक छात्रों का दमन जारी है। देश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में 18 अप्रैल से चल रहे धरना-प्रदर्शन में करीब ढाई हजार छात्र-छात्रा गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस कई विश्वविद्यालयों में घुसकर धरने हटवा चुकी है लेकिन आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

भारतीय समयानुसार रविवार सुबह पुलिस ने वर्जीनिया विश्वविद्यालय में धरना खत्म कराते हुए वहां से 25 छात्रों को गिरफ्तार किया। शार्लोसविल स्थित वर्जीनिया विश्वविद्यालय में पुलिस कार्रवाई से पहले तक परिसर के लॉन में गाजा पर इजरायली हमले के विरोध में शांतिपूर्ण धरना चल रहा था। दंगा निरोधी उपायों से लैस पुलिस ने परिसर में प्रवेश करते ही कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस ने वहां पर केमिकल स्प्रे करते हुए छात्रों को बलपूर्वक धरनास्थल से हटाना शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों की छात्रों से हाथापाई भी हुई। इसके बाद पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लेकर उनके हाथ पीछे से बांध दिए। गाजा युद्ध और उसे दिए जा रहे अमेरिका के समर्थन के विरोध में देश की ज्यादातर शिक्षण संस्थाओं में इस समय धरना-प्रदर्शन चल रहे हैं, 40 से ज्यादा संस्थाओं से छात्र-छात्राओं को गिरफ्तार किया गया है।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट जिम

रेयान ने कहा है कि धरना में विश्वविद्यालय से बाहर के कई लोगों के शामिल होने की सूचना के बाद पुलिस को बुलाया गया। ऐसा परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया। इसी प्रकार से शिकागो के आर्ट इंस्टीट्यूट में भी पुलिस ने परिसर में प्रवेश कर वहां से फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों को हटाया है।

ट्रूडो बोले-निज्जर की हत्या के बाद सिख असुरक्षित थे, जांच 3 गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं

जयशंकर ने कहा- कनाडा हमारी सबसे बड़ी समस्या

टोरेंटो, एजेंसी।
खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में 3 भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को कहा, हत्याकांड की जांच तीन भारतीयों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, यह अभी भी जारी है।

ओन्टारियो में सिख फाउंडेशन ऑफ कनाडा के कार्यक्रम में ट्रूडो ने तीनों गिरफ्तारियों को स्वीकार करते कहा, कनाडा कानून का पालन करने वाला देश है। निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में रहने वाले सिख समुदाय के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे थे। यहां हर शख्स को भेदभाव और हिंसा से सुरक्षित रहने का

मौलिक अधिकार मिला हुआ है।

उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कटक में कहा कि विदेश में हमारे दूतावासों को धमकियां मिलती हैं। अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या कनाडा है। वहां की सरकार ने अपने देश में अलगाववाद और हिंसा का समर्थन करने वालों को अभिव्यक्ति की आजादी दे दी है। दुनिया एकतरफा नहीं है, अगर कुछ होता है तो उसका विरोध होगा। न्यूटन का नियम वहां भी लागू होगा।

इससे पहले निज्जर केस में भारत का कनेक्शन होने के कनाडा के दावे पर जयशंकर ने शनिवार को कहा था- भारत पर आरोप लगाना कनाडा की राजनीतिक मजबूरी है। वहां अगले साल चुनाव होने हैं, इसलिए देश में वोट बैंक की राजनीति चल रही है। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा में भारत के खिलाफ काम करने वाले लोगों को पनाह दी जाती है। खासकर जो लोग पंजाब से हैं, वे कनाडा से ऑपरेट करते हैं। खालिस्तान समर्थक लोग कनाडा के लोकतंत्र का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। वे आज कनाडा का वोट बैंक बन गए हैं। कनाडा में सत्ताधारी पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है। ऐसे में कई पार्टियां सत्ता में आने के लिए खालिस्तानी समर्थकों पर निर्भर हैं। विदेश मंत्री ने कहा, हमने कई बार कनाडा से कहा है कि ऐसे लोगों को वीजा न दें, उन्हें देश की राजनीति में शामिल न करें। वे लोग कनाडा, भारत और दोनों देशों के रिश्तों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ नहीं किया। भारत ने खालिस्तान समर्थक 25 लोगों को भारत प्रत्यर्पित करने की मांग की थी, लेकिन उन्होंने यह भी नहीं माना।

कनाडाई पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, निज्जर की हत्या को अंजाम देने में तीनों आरोपियों ने अलग-अलग भूमिका निभाई। इनमें से एक पर निज्जर की लोकेशन पता करने की जिम्मेदारी थी। दूसरा आरोपी ड्राइवर था और तीसरे ने उस पर गोली चलाने का काम किया।

तीनों आरोपियों के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से भी संपर्क हैं। ये सभी 2021 में टेंपरेरी वीजा लेकर कनाडा गए थे। इन पर फर्स्ट डिग्री मर्डर और हत्या की साजिश रखने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा है कि बाकी आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 18 जून, 2023 की शाम को सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था। मामले में एक्शन लेते हुए कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत के एक सीनियर डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। हालांकि बाद में ट्रूडो ने कई बार भारत से रिश्ते बनाए रखने की बात कही थी। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीनों पहले इस हत्याकांड से जुड़ा 90 सेकेंड का एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया था। इसमें निज्जर ग्रे पिकअप ट्रक को पार्किंग से बाहर निकलता दिखाई दिया था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।